04 - चुनाव 24 : सलाम का हकदार है अवाम

05 - म. प्र. कांग्रेस : चिंता, चिंतन और चेतने का समय

A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 12 जून, 2024

06- दुर्गादास उइके ने संभाला कार्यभार,जनजातीय कार्य मंत्रालय पहुंचकर...

07- केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री के रूप में सावित्री...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 235, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

आज अचानक बरसे बादल।
नीला गगन मगन हो नाचा,
प्रेम पत्र धरती ने बांचा।
खूब घुमक्कड़ राम अचानक,
निकले घर से बादल।
आज अचानक बरसे बादल।

हरे पेड़ मन भरे झूमते,
नैन किसी का रूप चूमते।
बिजली गिरी अचानक लेकिन,
कांपे डर से बादल।
आज अचानक बरसे बादल।

पर्वत ने अंगड़ाई ले ली,
मौसम ने शहनाई ले ली।
इंद्रधनुष की शादी में क्या,
आये दुनिया भर से बादल।
आज अचानक बरसे बादल।

सुबह सुबह पथ गीले गीले,
साथी के भी नैन नशीले।
आज हमारे साथ सफर में,
साथ हमारे हरषे बादल।
आज अचानक बरसे बादल।

– गोविंद गुंजन, खंडवा

प्रसंगवश

शिरोमणि अकाली दल आज पंजाब में कहाँ खड़ा है?

जगदीप सिंधु

पंजाब के लोकसभा चुनाव के नतीजों से साफ़ हो गया है कि शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब में अपना आधार खो दिया है। 13 सीटों पर चुनाव लड़ रहे अकाली दल के 10 सीटों पर उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है। अकाली दल केवल एक सीट पर जीत दर्ज कर सकी व 11 सीटों पर चौथे स्थान पर रही। संगरूर की सीट पर अकाली दल 5वें स्थान पर पहुंच गई।

एक समय शिरोमणि अकाली दल एक बड़ी क्षेत्रीय राजनीतिक ताक़त के रूप में अपना अस्तित्व राष्ट्रीय राजनीतिक पटल पर रखता रहा जिसको कभी भी अनदेखा नहीं किया जा सका था। लेकिन सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में आज जो हालत शिरोमणि अकाली दल की हो गई है, वो अपने आप में बड़े सवाल सुखबीर सिंह बदल की राजनीतिक समझ, दूरदृष्टि और नीतियों पर खड़े करती है।

सुखबीर सिंह बादल द्वारा पिछले कुछ महीनों से पूरे पंजाब में की गई की 'पंजाब बचाओ यात्रा' दरअसल 'परिवार बचाओ यात्रा' ही साबित हुई है। केवल बठिंडा की सीट पर सुखबीर बादल की धर्मपत्नी बीबी हरसिमरत कौर कड़े मुक़ाबले में बमुश्किल जीत सकी हैं। हरसिमरत कौर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आम आदमी पार्टी के गुरमीत सिंह खुड्डियां से 49656 वोटों से जीती हैं। ये बीबी हरसिमरत कौर की चौथी जीत लोकसभा चुनावों में है। सुखबीर सिंह बादल ने अबकी बार लोकसभा चुनाव ही नहीं लड़ा। अकाली दल को इस सीट पर 32.7% वोट प्राप्त हुए जबकि आम आदमी पार्टी को 28.4% व कांग्रेस को 17.5% वोट मिले। अन्य सभी सीटों पर अकाली दल को मिले वोट से साफ़ जाहिर हो गया है कि अब अकाली दल से पंजाब में उसका परंपरागत मतदाता भी घोर निराशा में विमुख हो गया है। 2019 में शिरोमणि अकाली दल ने जहाँ 2019 के लोकसभा चुनाव में 27.45% मत हासिल किये थे वो अब घटकर केवल 13. 24% पर आ गए हैं।

शिरोमणि अकाली दल की ऐसी हार के पीछे मुख्य कारकों में सुखबीर सिंह बादल की नीतियों को जिम्मेदार माना जाता है। किसान आंदोलन के समय सुखबीर सिंह बादल की भूमिका पर अकाली दल के कट्टर समर्थक मतदाताओं ने गंभीर सवाल खड़े किये थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में अकाली दल को शर्मनाक हार का मुँह देखना पड़ा था। अकाली दल 117 सदस्यों की विधानसभा में केवल 3 सीट ही जीत सका था। 2017 के विधानसभा चुनाव में हार से शुरू हुआ ये सिलसिला अब कितना लंबा चलेगा कहना मुश्किल है।

2002 के विधान सभा चुनावों में हार की समीक्षा करने के लिए 13 सदस्यीय एक समिति अकाली दल द्वारा बलविन्दर सिंह भुंदर की अगुवाई में बनाई गयी थी। इसकी पड़ताल में सामने आये बिंदुओं पर काम करने के लिए इक़बाल सिंह झुन्डा को जिमेदारी दी गई थी ताकि अकाली दल को आनेवाले समय में आवश्यक सुधार करके और संगठित किया जा सके।

इक़बाल सिंह झुन्डा को अकाली दल ने अब लोकसभा चुनाव में संगरूर से अपना प्रत्याशी बनाया था लेकिन वो केवल 6.5% वोट ले कर 5वें स्थान पर रहे। फिरोजपुर से चुनाव लड़े नरदेव सिंह बॉबी मान और अमृतसर से अनिल जोशी ही अपनी जमानत बचा पाए। अकाली दल से चुनाव में अपनी जमानत न बचा पाने वालों में खडूर साहेब से विरसा सिंह वल्टोहा हैं जिनको 8.7% वोट प्राप्त हुए। सुखबीर बादल ने अपने पारिवारिक सदस्य आदेश प्रताप सिंह, जो पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों के बेटे हैं, के सुझाव के विरुद्ध विरसा सिंह वल्टोहा को प्रत्याशी बनाया था। इसके चलते काफी नाराज़गी के बाद ऐन वक़्त पर सुखबीर बादल ने आदेश प्रताप सिंह को पार्टी से ही निकल दिया था। जालंधर की सीट पर कांग्रेस से चुनाव से पहले दल बदल कर आये मोहिन्दर सिंह के पी को चुनाव में उतारा था उनको 6.89% ही वोट मिल सके। पार्टी के प्रवक्ता और अकाली दल के एक बड़े चेहरे दलजीत सिंह चीमा माझा की गुरदासपुर सीट पर चुनाव लड़े और 7.95% ही वोट ले सके। लुधियाना के उम्मीदवार रणजीत सिंह ढिल्लों 8.27% और होशियारपुर से सोहन सिंह ठंडल 9.73% तक ही रह गए। खालसा पंथ की स्थापना के स्थान आनंदपुर साहिब की सीट पर पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा कोई करिश्मा नहीं कर सके और 11.01% वोटों पर ही सिमट गए।

सिख इतिहास में फतेहगढ़ साहेब का बहुत अहम् स्थान है। अकाली दल के उम्मीदवार विक्रमजीत सिंह खालसा वहां 13.13% मत अपने पक्ष में ला सके। पटियाला से अकाली प्रत्याशी एन के शर्मा को 13.44% मत मिले। फरीदकोट से राजविंदर सिंह धर्मकोट 13.68% वोट हासिल कर सके। भारत की राजनीति में सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के बाद अकाली दल की साख कभी इतनी फीकी नहीं पड़ी जितनी आज के दौर में है। दुनिया भर में सिख समुदाय में अकाली दल के प्रति विशेष सम्मान व विश्वास की भावना हमेशा बहुत गहरी रही है। एक लम्बी विरासत पार्टी की बड़े अकाली जत्थेदारों ने हमेशा से पूरी शिद्दत से बनाई है। मास्टर तारा सिंह, गोपाल सिंह कौमी से ले कर जगदेव सिंह तलवंडी, हरचंद सिंह लोंगोवाल, सुरजीत सिंह बरनाला, गुरचरण सिंह टोहड़ा, प्रकाश सिंह बादल और अब सुखबीर सिंह बादल तक आते आते पार्टी अपने अस्तित्व के लिए पंजाब में ही खुद को ढूंढ़ने को विवश हो गयी है।

सुखबीर सिंह बादल के 2008 में पार्टी प्रधान बनाये जाने के बाद अधिकतर वो बड़े बादल अपने पिता की छाया में कार्य करते दिखाई देते रहे। बाद के समय में स्वतंत्र कार्यशैली और लिए फैसलों की आंच से पार्टी की छवि कमजोर हुई है। किसान आंदोलन, इसमें एक बहुत बड़ा कारण रहा। हालांकि अकाली दल सिखों के हकों के लिए शुरू से ही मोर्चे पर रहा और उसकी भूमिका हर मोर्चा में महत्वपूर्ण रही और उसका सीधा और मजबूत लाभ अकाली दल को मिलता रहा लेकिन किसान आंदोलन के दौरान अकाली दल के विरोधाभास के कारण वह सीमित हो कर रह गया। उससे पहले पंजाब में अकाली दल की सरकार के रहते 2014 में हुए श्री गुरु ग्रन्थ साहेब की बेअदबी के मामले बहबल कलां कांड में भी अकाली दल की भूमिका ने गहरी चोट अकाली दल के नेतृत्व के साथ साथ पार्टी को पहुंचाई। डेरा सच्चा सौदा के मुखिया द्वारा गुरु गोबिंद सिंह का रूप धारण कर आयोजित अमृत प्रसाद वितरण की घटना के दोषी को अकाल तख्त से माफीनामा दिलवाना भी अकाली दल की छवि को धूमिल कर गया जिसमे साफ तौर पर सिख समुदाय के विश्वास को गहरी ठेस लगी।

(सत्य हिंदी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

चुनाव में मुकाबला जरूरी लेकिन झूठ पर आधारित न हो

चुनाव प्रचार पर मोहन भागवत की नसीहत,बोले-मर्यादा जरूरी

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव के दौरान होने वाली बयानबाजी को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों ने

मर्यादा नहीं रखी। नागपुर में हुए आरएसएस के कार्यक्रम में उन्होंने कहा, असली जनसेवक वही है जो अहंकार नहीं दिखाता और सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए भी मर्यादा बनाए रखता है। उन्होंने कहा, चुनाव संपन्न हो गए, परिणाम और सरकार भी बन गई लेकिन उसकी चर्चा अभी तक चल रही है। जो हुआ वह क्यों हुआ। उन्होंने कहा, यह अपने प्रजातांत्रिक देश में पांच वर्ष में होने वाली घटना है जो कि होती है। देश के संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है लेकिन हम यही चर्चा करते रहें इतना महत्वपूर्ण नहीं है। समाज ने अपना मत दे दिया और उसके अनुसार अब काम हो रहा है। संघ के लोग इसमें नहीं पड़ते। हम अपना कर्तव्य करते रहते हैं। संघ प्रमुख ने कहा, जो वास्तविक सेवक है उसकी एक मर्यादा रहती है। काम करते सब लोग हैं

● कहा-सच्चा सेवक घमंड नहीं करता, काम करें, अहंकार न पालें

लेकिन कार्य करते समय वह मर्यादा का पालन भी करता है। जैसा तथागत ने भी बताया है कि कुशलस्य उपसंपदा। शरीर को भूखा नहीं रखना है लेकिन कौशल पूर्वक जीविका कमानी है। इससे दूसरों को धक्का नहीं लगना चाहिए। यह मर्यादा निहित है। इसी तरह की मर्यादा के साथ हम लोग काम करते हैं। काम करने वाला मर्यादा का ध्यान रखता है। जो मर्यादा का पालन करता है उसमें अहंकार नहीं आता और वही सेवक कहलाने का अधिकारी है। भागवत ने कहा कि चुनाव में स्पर्धा रहती है इसलिए किसी को पीछा रहने का काम होता है। लेकिन इसमें भी मर्यादा है। असत्य का उपयोग नहीं करना चाहिए।

लोकसभा स्पीकर के लिए पुरंदेश्वरी के नाम की चर्चा

● आंध्र भाजपा अध्यक्ष और चंद्रबाबू की पत्नी की हैं बहन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा के अंक गणित और सत्ता-विपक्ष के बीच जारी खींचतान को देखते हुए स्पीकर का पद इस बार अहम हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

अगुआई वाली एनडीए सरकार दो बड़े घटक दल टीडीपी और जदयू भी इस होड़ में शामिल दिख रहे हैं। टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू और जदयू नेता नीतिश कुमार को लगता है कि अगर उनकी पार्टी में तोड़फोड़ की कोशिश होगी तो स्पीकर पद उस समय जीवन बीमा होगा। इंडिया ब्लॉक ने भी कहा है कि स्पीकर पद टीडीपी के पास जाता है तो समर्थन करेंगे।

मोहन चरण मांझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

केवी सिंहदेव और प्रभाती परिदा डिप्टी सीएम होंगे

नए मुख्यमंत्री के तौर पर आज करेंगे शपथ ग्रहण

भुवनेश्वर (एजेंसी)। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में उनके नाम की घोषणा की। माझी के अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। मोहन चरण माझी 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 में बीजेडी वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। इसके अलावा वे 2019, 2009 और साल 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। केवी सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। भुवनेश्वर में पार्टी विधायक दल की

बैठक में मोहन मांझी को नेता चुना गया। वह 12 जून को ओडिशा के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। बीजेपी ने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। बीजेपी में ओडिशा में पहली बार सरकार बना रही है। ऐसे में मोहन मांझी को राज्य में बीजेपी का पहले मख्यमंत्री बनने का गौरव हासिल हुआ है। विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने चौंकाते हुए अकेले 78 सीटें हासिल की हैं। 147 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सदस्यों का है। पिछले 24 सालों से राज्य की सत्ता पर काबिज बीजू जनता दल को 51 सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस को 14 सीटें मिली हैं। मोहन चरण मांझी की शपथ ग्रहण के लिए बुधवार को पांच बजे का समय निर्धारित किया गया है। मोहन चरण मांझी आदिवासी समुदाय से आते हैं। वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल तमाम दावेदारों में सबसे कम उम्र के हैं। मांझी की उम्र 53 साल है।

चंद्रबाबू नायडू चुने गए एनडीए एमएलए दल के नेता, शपथ आज

● आंध्र प्रदेश गवर्नर से मिलकर सरकार बनाने का पेश किया दावा

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में नई सरकार बनाने के लिए मंगलवार को एनडीए की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना और भाजपा विधायकों ने विजयवाड़ा में मीटिंग की। इसमें टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू को सर्वसम्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। एक्टर से नेता बने जनसेना प्रमुख पवन कल्याण को विधानसभा में फ्लोर लीडर चुना गया। इसके बाद नायडू और कल्याण राज्यपाल नजीर से मिलने राजभवन पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

विभिन्न श्रेणी के ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिए 24 हजार 420 करोड़ रुपए की सब्सिडी का निर्णय

स्वास्थ्य विभाग में होगी 46491 नए पदों पर भर्ती

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने म.प्र. विद्युत नियामक आयोग द्वारा 06 मार्च 2024 को जारी टैरिफ आदेश से वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये लागू विद्युत दरों में राज्य शासन की सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं को ऊर्जा विभाग के बजट से सब्सिडी दी जाएगी। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए विद्युत दरों का निर्धारण किया है, जो 1 अप्रैल, 2024 से प्रभावशील हो गई है। सब्सिडी दिए जाने पर वर्ष 2024-25 में 24,420 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आयेगा।

चिकित्सीय विशेषज्ञों के पदों की पूर्ति की मंजूरी- मंत्रि परिषद ने प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं में विशेषज्ञ सेवायें उपलब्ध कराये जाने तथा स्वास्थ्य सूचकांको में बेहतर प्रदर्शन के लिए चिकित्सीय विशेषज्ञों के 607 पदों की पूर्ति सीधी भर्ती से कराने की मंजूरी दी। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत 07 विशेषज्ञताओं यथा निश्चेतना विशेषज्ञ, मेडिकल विशेषज्ञ, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट,

अस्थि रोग विशेषज्ञ तथा सर्जरी विशेषज्ञ के रिक्त 1214 पदों में से 50 प्रतिशत अर्थात् 607 पदों की पूर्ति सीधी भर्ती से कराने की छूट एवं तद्नुसार रिक्त पदों की पूर्ति के लिये मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से विज्ञापन करने की अनुमति दी गई।

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग में प्रतिनियुक्ति अथवा संविदा नियुक्ति का निर्णय- मंत्रि-परिषद ने भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से प्रतिनियुक्ति अथवा विभाग के अधीन प्रशासित संविदा भर्ती नियम 2003 के अंतर्गत संविदा पर लिए जाने का निर्णय लिया गया। संविदा पर भरे जाने की स्थिति में वरिष्ठ परामर्शी (चिकित्सा महाविद्यालय के प्राध्यापक के समकक्ष), परामर्शी (चिकित्सा महाविद्यालय के सह प्राध्यापक के समकक्ष), कनिष्ठ परामर्शी/विशेषज्ञ (चिकित्सा महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक के समकक्ष) और चिकित्सा अधिकारी को समेकित पुनरीक्षित पारिश्रमिक (रूपये) पर नियुक्ति दी जाएगी।

इस वर्ष को गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाने का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने गौवंश की रक्षा करने के संकल्प के साथ इस वर्ष की चैत्र की गुड़ी पड़वा से अगले वर्ष तक गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाने का अनुमोदन दिया है। मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व में यह निर्णय लिया गया था, जिसका आज मंत्रि-परिषद ने अनुमोदन दिया। मुख्यमंत्री की घोषणा के परिपालन में मध्यप्रदेश शासन द्वारा यह साल, गौवंश रक्षा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जो प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा), चैत्र, शुक्ल पक्ष 9 अप्रैल 2024 से आगामी अमावस्या, चैत्र, कृष्ण पक्ष, 29 मार्च 2025 तक मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड के अंतर्गत मनाया जा रहा है। प्रदेश में संचालित गौ-शालाओं को श्रेष्ठ संचालन के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। सड़कों पर गाय दुर्घटना का शिकार होती है। ऐसी व्यवस्था होगी कि घायल गाय को इलाज के लिए आसानी से ले जाया जा सके। हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग व्हीकल को टोल व्यवस्था के अंतर्गत प्रबंध किया जाएगा। प्रदेश की सभी गौशालाओं में गौवंश से जुड़ी 26 प्रमुख तिथियों में वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। गौशालाओं को समाज से जोड़ने के लिये जिलों में विभिन्न सामाजिक, मांगलिक व धार्मिक कार्यक्रमों को भी गौशालाओं में कराने का आव्हान किया गया है।

यूपी में 30 जून तक होंगे ट्रांसफर, योगी कैबिनेट की मुहर

नई तबादला नीति पर सरकार ऐक्टिव, चुनाव बाद हुई बैठक में 41 प्रस्ताव पास

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लोकसभा चुनाव के बाद योगी कैबिनेट की मंगलवार को पहली बैठक हुई। इसमें नई ट्रांसफर नीति समेत 41 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। 26 प्रस्ताव जल संसाधन मंत्रालय के हैं। सरकार की यह पहली पेपरलेस कैबिनेट बैठक रही। सभी मंत्री टैबलेट के साथ मीटिंग में शामिल हुए। डिप्टी सीएम केशव मौर्य आज भी बैठक में नहीं पहुंचे। 3 दिन पहले भी वो

सीएम योगी द्वारा बुलाई गई मंत्रियों की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। मौर्य अभी दिल्ली में हैं। कैबिनेट जैसी अहम बैठक में क्यों नहीं शामिल हुए, यह अभी स्पष्ट नहीं है। चुनाव के चलते 4 महीने बाद योगी कैबिनेट की बैठक हुई। चुनाव अधिसूचना से पहले 5 मार्च को आखिरी बैठक हुई थी। कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राज्य कर्मचारियों के ट्रांसफर शुरू हो जाएंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 42.5 °c | न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 12 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

जीएसटी के दायरे में आएगा पेट्रोल-डीजल, होगा सस्ता !

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार का प्रयास होगा कि पेट्रोल, डीजल और नेचुरल गैस जैसे ईंधन वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में आए। यह कहना है केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का। उन्होंने मंगलवार को ही फिर से इसी मंत्रालय का कार्यभार संभाला। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने का प्रयास करेगी। यह पहली बार नहीं है कि पुरी ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर जोर दिया है। यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी पिछले साल नवंबर में कहा था कि इसे लागू करने से लोगों को फायदा होगा। हालांकि, पुरी ने पहले हवाला दिया था कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने के लिए राज्यों को सहमत होना होगा, जिनके लिए ईंधन और शराब प्रमुख राजस्व जनरेटर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार के नए कार्यकाल में वह सरकारी तेल कंपनियों की हिस्सेदारी बेचने के पक्ष में नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इसी सरकार ने साल 2022 में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की विनिवेश प्रक्रिया को रद्द इसलिए कर दिया था क्योंकि इसके लिए मैदान में सिर्फ एक बोली लगाने वाला बचा था। मंत्री की टिप्पणी के बाद बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल के शेयरों में थोड़े समय के लिए उछाल आया। दोपहर 1.20 बजे तक बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल क्रमशः लगभग 0.5 फीसदी, 0.8 फीसदी और 1.1 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। उन्होंने दोहराया कि सरकार पेट्रोल में 15 प्रतिशत इथेनॉल की ब्लेंडिंग को पार करने में सक्षम थी और अगले साल तक 20 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा जैसा कि आप जानते हैं, प्रधान मंत्री ने 2030 तक 20 फीसदी ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखा था...मैंने जो देखा है और प्रगति पर काम के आधार पर, मुझे पूरा विश्वास है कि 20 फीसदी ब्लेंडिंग लक्ष्य, 2025 तक पूरा हो जाएगा।

नए पेट्रोलियम मिनिस्टर ने किया इशारा, बताई सरकार की प्राथमिकताएं

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट का नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार

- कहा-गड़बड़ियों से परीक्षा की विश्वसनीयता को चोट पहुंची, हमें जवाब चाहिए, एनटीए को नोटिस

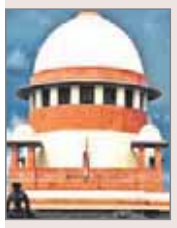

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। ये याचिका स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य स्टूडेंट्स ने रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर की थी। इसमें बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की गई थी और परीक्षा रद्द कर सीबीआई जांच की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने परीक्षा कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए से कहा- नीट यूजी की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को लौटाएगी 500 साल पुरानी मूर्ति

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को 500 साल पुरानी एक कांसे की मूर्ति लौटाने वाली है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह मूर्ति संत तिरुमंगई अलवार की है, जो 16वीं सदी के दौरान तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हो गई थी। संत तिरुमंगई अलवार दक्षिण भारत के 12वें अलवर संतों में से अंतिम थे। फिलहाल यह मूर्ति ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एशमोलियन म्यूजियम में रखी गई है, जिस देखने के लिए लगभग 1800 रुपए देने पड़ते हैं।

संत तिरुमंगई अलवार की यह मूर्ति 1 मीटर ऊंची है। इसे 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में रखवाया था।

आरएनटीयू एनसीसी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर किया 'ऑपरेशन ग्रीन' अभियान की शुरूआत

आरएनटीयू आज आप सबसे आह्वान कर रहा है कि ऑपरेशन ग्रीन अभियान से जुड़ कर प्रदूषण मुक्त करें धरा: डॉ. विजय सिंह

तीन दिनों में आमजन को जागरुक कर एक हजार पौधों का किया वितरण

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के एनसीसी नेवल विंग ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर ऑपरेशन ग्रीन की शुरुआत कर नीम, आम, पीपल, बरगद, सहजन, आंवला, जामुन, बेर, गुलमोहर, हरण, आदि पौधे वितरित किए। इस अभियान के तहत आरएनटीयू के एनसीसी कैडेट्स ने पूरे उत्साह के साथ भोपाल के अलग अलग हिस्सों में जन जागरूकता के साथ पौधे वितरित कर अभियान की शुरुआत की, साथ ही कैडेट्स ने लोगों से पौधों को रोपित कर उनकी देख भाल करने का भी आग्रह किया। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी सब लेफ्टिनेंट मनोज सिंह मनराल ने बताया की साल दर साल बढ़ते हुए तापमान को देखते हुए ऑपरेशन ग्रीन आभियान की शुरूआत की है। अभियान के तहत अधिक से अधिक लोगो को जागरुक करना, उन्हे पेड़ पौधों के महत्व को समझाना तथा उनसे ही पौधे लगवाना और पौधों की देख भाल करने का आग्रह करना है। उन्होंने यह भी बताया कि अब ये आभियान रुकेगा नही और निरंतर बढ़ता ही जाएगा। उन्होंने आम जन से भी भी इस आभियान से जुड़ने का आग्रह किया।अभियान की सफलतापूर्वक शुरुआत के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मानव जीवन पूर्ण रूप से स्वस्थ तभी होगा जब कदम-कदम पर पौधे लगेंगे। पौधरोपण जीवन के लिए बेहद जरूरी है। हमें मुफ्त में आक्सीजन पेड़-पौधे ही देते हैं। बढ़ती जनसंख्या और घटते पेड़-पौधे मानव जीवन के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। पर्यावरण संतुलन से ही मानव सुरक्षित व खुशहाल रहेगा। मौजूदा आबादी को भरपूर आक्सीजन देने के लिए पेड़-पौधों की संख्या नाकाफी साबित हो रही है। यदि समय रहते हम न चेते तो बहुत देर हो जाएगी। इस असंतुलन से ही पर्यावरण प्रदूषण का खतरा मंडरा रहा है। आक्सीजन तो हम बिना किसी रूकावट के लेते हैं तो फिर पौधरोपण के प्रति उदासीनता क्यों? आरएनटीयू आज आप सबसे आह्वान कर रहा है कि सब साथ मिलकर आगे आएं और ऑपरेशन ग्रीन अभियान को सफल बनाएं।

अभियान में मध्यप्रदेश पुलिस एवं ट्रैफिक पुलिस ने भी जुड़ कर कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया तथा साथ ही अभियान में विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी सतीश अहिरवार, जनसंपर्क अधिकारी विजय प्रताप सिंह भी लगातार जुड़े रहे।

राहुल बोले- प्रियंका वाराणसी से लड़तीं तो मोदी हार जाते

पीएम काशी से जान बचाकर निकले,अयोध्या भी हार गए

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद राहुल और प्रियंका गांधी मंगलवार को पहली बार रायबरेली पहुंचे। राहुल ने कहा- मोदी और शाह देश की नींव के साथ खिलवाड़ कर रहे। इसलिए देश एकजुट हो गया। पहली बार देखा, देश का प्रधानमंत्री हिंसा की राजनीति करते हैं। जनता के बीच नफरत फैलाते हैं। तीन उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा- उत्तर प्रदेश की जनता ने नफरत और हिंसा के खिलाफ दबाकर वोट दिया। ये अयोध्या की भी सीट हार गए। अयोध्या में मंदिर बनवाया, मगर इनॉगरेशन में एक भी गरीब नहीं था। देश की राष्ट्रपति को कहा, तुम यहां नहीं आ सकती।

सिर्फ अयोध्या में ही नहीं, प्रधानमंत्री वाराणसी से भी जान बचाकर निकले। अगर बहन प्रियंका वहां चुनाव लड़तीं, तो पीएम मोदी 2-3 लाख वोट से हार जाते। इससे पहले प्रियंका गांधी ने कहा- जब मैं चुनाव लड़ने आई थी तो कहा था 300 घंटे हैं। आप लोग 2-2 घंटे सो लीजिए। बाकी समय में काम करना है। अवध से जीतकर हमने पूरे देश में एक मैसेज भेजा। राहुल ने कहा- मोदी जी ने कहा था, मैं नहीं भगवान मुझे ऑर्डर देते हैं। मैं काम करता हूं।

संघ के मध्य क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग-1 का समापन आज

मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल बिमल वर्मा और मुख्य वक्ता क्षेत्र संघचालक डॉ. पूर्णेंदू सक्सेना होंगे, भोपाल के शारदा विहार परिसर में चल रहा था 20 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के मध्य क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित 20 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-1' का समापन कार्यक्रम 12 जून को शाम 5:30 बजे से भोपाल के शारदा विहार परिसर में होगा। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कमांडर इन चीफ अंडमान और निकोबार कमांड वाइस एडमिरल बिमल वर्मा होंगे और मुख्य वक्ता के रूप में मध्य क्षेत्र के संघचालक डॉ. पूर्णेंदू सक्सेना शामिल होंगे। समापन कार्यक्रम में स्वयंसेवक 20 दिन के प्रशिक्षण का प्रदर्शन करेंगे। स्वयंसेवकों की ओर से संचलन, घोष, समता, योग, आसन, नियुद्ध, पदविन्यास और राष्ट्रभक्ति गीत की सामूहिक प्रस्तुति दी जाएगी। 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-प्रथम' 23 मई से प्रारंभ हुआ था। इसमें छत्तीसगढ़, महाकौशल, मालवा और मध्यभारत के कुल 382 स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त करने आए। 20 दिन तक कठोर अनुशासन में रहकर स्वयंसेवकों ने संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान उन्हें संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एवं सह-सरकार्यवाह श्री केसी मुकुंद का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों ने स्वयंसेवकों का प्रबोधन एवं प्रशिक्षण दिया। स्वयंसेवकों को वर्ग में सेवा कार्यों का प्रशिक्षण भी दिया गया। संघ शिक्षा वर्गों की रचना में बदलाव के बाद यह मध्य क्षेत्र का पहला 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-1' था।

वसंत राशिनकर स्मृति अ. भा. सम्मान समारोह 15 जून को

इंदौर। आपले वाचनालय एवं श्री सर्वोत्तम के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले अ. भा. वसंत राशिनकर स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार 15 जून को शाम 6 बजे किया जा रहा है। राजेंद्रनगर स्थित आपले वाचनालय सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम के अतिथि होंगे म.प्र. साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे, मराठी साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक अश्विन खरे,समाजसेवी और शिक्षाविद सुश्री विनीता धर्म और अध्यक्षता करेंगे वरिष्ठ चिन्तक और समाजसेवी मधुसूदन तपस्वी। कार्यक्रम के प्रसंग वक्ता होंगे सुभाष वाघमारे। विस्तृत जानकारी देते हुए संस्था के सतीश येवतीकर, संदीप राशिनकर ने बताया कि समारोह का सर्वोच्च सम्मान कविवर्य वसंत राशिनकर स्मृति अ.भा. सम्मान रत्नागिरी के प्रतिभाशाली कवि डॉ. बालासाहेब लबडे और लातूर के प्रताप वाघमारे को एवं उल्लेखनीय काव्य

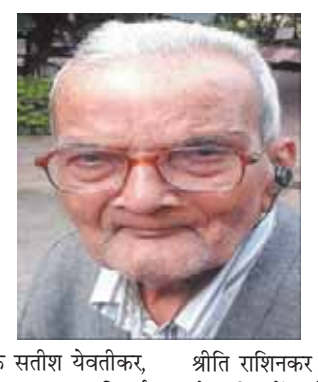

कृतियों को दिया जानेवाला वसंत राशिनकर काव्य साधना अ. भा. सम्मान अमरावती के नितिन भट, पुणे के शरद कवठेकर,नाशिक की जयश्री वाघ , लातूर के भारत सातपुते,परभणी के तुकाराम पुंडलिक खिल्लारे, बारामती के राघव,बेलगांव की हर्षदा सुन्ठनकर, ठाणे के उदय भिड़े, पुणे की सीमा गांधी, संजीवनी बोकील, देवास की ऋचा दीपक कर्पे,अमलनेर के रमेश पवार और उदगीर के ज्ञानेश्वर हंडरगुलीकर को दिया जाएगा। अच्युत पोतदार प्रदत्त रामू भैय्या दाते स्मृति पुरस्कार संगीत के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियों के लिए रोहित अग्निहोत्री को प्रदान किया जाएगा। पूर्वार्ध का संचालन श्रीति राशिनकर करेंगी। कार्यक्रम के उत्तरार्ध में मराठी कवि सम्मलेन होगा जिसमें कई मराठी के वरिष्ठ व् युवा कवी काव्य पाठ करेंगे. कवी सम्मलेन का सूत्र संचालन वैजयंती दाते करेंगी। कार्यक्रम सभी साहित्य प्रेमियों के लिए खुला है।

अब मिसाइल और ड्रोन भी बनाएंगे गौतम अडानी !

- यूएई की दिग्गज कंपनी से मिलाया हाथ, ग्लोबल मार्केट पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी अब मिसाइल और ड्रोन के साथ-साथ सेना के लिए दूसरे तरह के हथियार भी बनाएंगी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने यूएई की कंपनी के साथ हाथ मिलाया है। दोनों कंपनियां मिसाइल और ड्रोन के साथ-साथ दूसरे तरह के आधुनिक हथियार बनाएंगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक और साइबर युद्ध में काम आने वाली टेक्नोलॉजी के विकास में भी एक दूसरे को सहयोग करेंगी। एग्रीमेंट के मुताबिक भारत और यूएई में रिसर्च एंड डेवलपमेंट फैसिलिटीज स्थापित करने और एक्सपोर्ट की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। साल 2019 में स्थापित यह ग्रुप दुनिया का जाना-माना एडवांस्ड टेक्नोलॉजी ग्रुप है। दोनों कंपनियों ने एक बयान में इस समझौते के बारे में जानकारी दी। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के

सीईओ आशीष राजवंशी ने कहा कि हमारे बीच यह सहयोग रक्षा क्षमताओं के विस्तार में एक नए युग की शुरुआत है। यह एडवांस टेक्नोलॉजिकल के विकास और भारत-यूएई के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम ग्लोबल डिफेंस लैंडस्केप में नए मानक स्थापित करना चाहते हैं। कंपनी के सीईओ हमद अल मरार ने कहा कि अडानी डिफेंस के साथ हमारा करार एक मील का पत्थर है। इससे भारत की डिफेंस इंडस्ट्री के साथ हमारा सहयोग मजबूत होगा। यह दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजूबत बनाने की हमारी परस्पर प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम अपने कस्टमर्स को सबसे आधुनिक प्रॉडक्ट्स देना चाहते हैं। साथ ही हम एक्सपोर्ट की संभावनाएं भी तलाश करेंगे। दोनों कंपनियों के बीच आपसी सहयोग के लिए जॉइंट प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा। अडानी ग्रुप का कारोबार पोर्ट, एयरपोर्ट, इन्फ्रा और ग्रीन एनर्जी समेत कई सेक्टर्स में फैला है। मार्केट कैप के हिसाब से यह टाटा ग्रुप और रिलायंस ग्रुप के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा ग्रुप है। ग्रुप की 11 लिस्टेड कंपनियां हैं। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस हैं। उनकी नेटवर्थ 107 अरब डॉलर है।

शिवराज सिंह चौहान का दिल्ली में दिखने लगा है ऐक्शन

- अधिकारियों को बता दिया अपना रोडमैप,कहा-हम टीम के रूप में काम करेंगे

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान अब केंद्र की राजनीति में शिफ्ट हो गए हैं। मोदी कैबिनेट में उन्हें दो अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली है। इसमें कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय है। विभाग बंटवारे के बाद से ही शिवराज सिंह चौहान ऐक्शन में आ गए हैं। उन्होंने तुरंत अपने विभाग के अधिकारियों को एमपी भवन बुलाया था। एमपी भवन में उन्होंने अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी।

बंगाल लोकसभा चुनाव जीता पर बाजी हार गई सीएम ममता !

तृणमूल में होगा मंथन,शहरी इलाकों में बीजेपी के वोट प्रतिशत ने डराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की भाजपा पर जीत हुई है, लेकिन जिस तरह की जीत हुई है वह ममता की परेशानी बढ़ाने वाली है। खास कर तब जब दो साल बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा तृणमूल को सत्ता से बाहर करने पर आमादा है। 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में 2024 में सात सीटें ज्यादा (कुल 29) जीतने के बावजूद तृणमूल के लिए चिंता की वजह यह है कि राज्य के 125 नगर निगम और नगर पालिका परिषदों में से 60 प्रतिशत ऐसी हैं, जहां पर वह बीजेपी से पीछे रही है। ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा ने तृणमूल को हरा दिया है। बीते दो विधानसभा चुनावों में भाजपा अपने विधायकों की संख्या 3 से 77 कर ले गई है। 2026 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर टीएमसी के लिए यह हालत इसलिए भी ज्यादा चिंताजनक हैं क्योंकि राज्य के 125 में से 124 नगर निकायों में टीएमसी का ही शासन है। सिर्फ नादिया की ताहेरपुर में सीपीएम सत्ता में है। खबरों के मुताबिक, टीएमसी की प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के मेयर फिरहाद हाकिम से इन नतीजों का विश्लेषण करने और इसके पीछे की वजह बताने के लिए कहा है। टीएमसी कई ऐसे निकायों में भी पीछे रही है, जहां पर वह लोकसभा का चुनाव जीती है। उदाहरण के लिए बोलपुर लोकसभा सीट, जहां टीएमसी के उम्मीदवार असित कुमार मल 3.27 लाख वोटों से चुनाव जीते हैं लेकिन वहां बीजेपी की उम्मीदवार पिया साहा बोलपुर कस्बे में 5800 वोट से आगे रही हैं। बीजेपी यहां नगर पालिका के 22 में से 16 वार्ड में आगे रही है। ऐसा ही कुछ बांकुरा लोकसभा सीट पर भी हुआ है। जहां पर टीएमसी बांकुरा कस्बे के 24 में से 21 वार्ड में पीछे रही है।

इंदौर में बीटेक की छात्रा ने लगाई फांसी

सुसाइड नोट में लिखा- मैं उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी, विदा लेने का वक्त आ गया

इंदौर (नप्र)। इंदौर में बीटेक की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। चचेरे भाई ने कई बार कॉल किया, जब कोई जवाब नहीं आया तो वह छात्रा के घर पहुंचा। यहां वह फंदे से लटकी मिली। उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को सुसाइड नोट मिला है, इसमें छात्रा ने मर्जी से फांसी लगाने की बात लिखी है। घटना सोमवार शाम की है। हीरा नगर टीआई पीएल शर्मा ने बताया, वैष्णवी चौहान का शव कमरे में लटका मिला है। वह बुरहानपुर की रहने वाली है। इंदौर में किराए के मकान में रह रही थी। वैष्णवी एलएनसीटी कॉलेज में बीटेक सेकंड ईयर की छात्रा थी। उसके रूम से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है - अब सबसे विदा लेने का वक्त आ गया है। मैं

सबकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। जो मुझे बनना था वह नहीं बन पाई। मां-पिता, भाई, मौसी माफ कर देना।

देर रात घर से बाहर रहने पर मां ने जताई थी चिंता

वैष्णवी के पिता सोमवार रात को ही इंदौर पहुंचे और सीधे बेटी के कमरे पर गए। पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी से एक दिन पहले रविवार को बात हुई थी। उस दिन उसका उपवास था। रात में मेघदूत गार्डन के पास दाल-बाफले खाने गई थी। तब उसकी मां से बात हुई थी। मां ने उससे पूछा था कि इतनी देर रात तक बाहर क्यों हो, इस पर बेटी ने घर पहुंचने की बात कही थी। इसके बाद सोमवार तक उससे बात नहीं हुई।

13 जून से हैं बीटेक सेकंड ईयर के एग्जाम

पिता ने बताया, 13 जून से वैष्णवी के बीटेक सेकंड ईयर की परीक्षा शुरू होने वाली थी। वह उसी की तैयारी में जुटी हुई थी। बेटी हम सबको हिम्मत देती थी, ऐसे में वह सुसाइड कर ले यह संभव नहीं। वह पढ़ने में काफी होनहार थी। उसने बुरहानपुर से डिप्लोमा किया था। इसके बाद इंदौर में पढ़ाई करने की इच्छा जताई थी।

स्कॉलरशिप के रुपयों से पढ़ाई कर रही थी

वैष्णवी को स्कॉलरशिप मिली थी। उसी रुपए से वह पढ़ाई कर रही थी। इसके साथ ही वह ऑनलाइन टिकट कंपनी में जॉब भी कर रही थी। कुछ दिन पहले कोचिंग के चलते जॉब पर नहीं जा रही थी। परिवार में वैष्णवी से छोटा भाई मेहुल है, जो भोपाल से एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहा है। वहीं इंदौर में उसका चचेरा भाई रहता है, जो डिलीवरी बॉय है।

इंदौर में नाबालिग बेटी ने फांसी लगाई, माता-पिता को जेल

सुसाइड नोट में लिखा था- पैदा कर दिया, अब बस गालियां देते रहते हैं

इंदौर (नप्र)। इंदौर के महू कोतवाली थाना क्षेत्र में सुसाइड करने वाली 17 साल की बेटी के सुसाइड केस में पुलिस ने उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया है। सुसाइड नोट में बेटी ने मौत का कारण अपने माता-पिता को बताया था। कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया है। नाबालिग ने सुसाइड नोट में लिखा था कि- सुसाइड करने का कारण मेरे माता-पिता है जिन्होंने मुझे पैदा तो कर लिया लेकिन मुझे पाल नहीं पा रहे। रोज सुबह उठते-बैठते मुझे प्रताड़ित करते हैं। इतना ही नहीं गाली के सिवाय मुझसे कभी बात ही नहीं की। मेरे माता-पिता से परेशान होकर मैं यह कदम उठा रही हूं।

जांच के बाद पुलिस ने दर्ज किया था केस

महू के कोदरिया में सोहनी गिरी ने 23 मई को फांसी लगा ली थी। शाम 5.30 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि घर में फांसी लगाई गई है। परिवारवाले उसे अस्पताल लाए थे जहां मृत घोषित किया था। कोतवाली थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर मुन्नालाल डोडियार ने बताया नाबालिग के कमरे की तलाशी ली तो वहां से एक सुसाइड नोट मिला। इसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर माता-पिता को आरोपी बना कर गिरफ्तार किया है। दोनों पर प्रताड़ित करने की धाराओं में केस दर्ज किया है। मंगलवार को पिता लोकेंद्र गिरी को जेल भेज दिया। एक दिन पहले मां रचना गिरी को गिरफ्तार करके जेल भेजा जा चुका है।

किराना दुकान से काजू-बादाम, केसर चोरी

इंदौर (नप्र)। रावजी बाजार इलाके में किराना दुकान में चोरी हो गई। सोमवार सुबह दुकान संचालक जब पहुंचा तो ताले टूटे मिले। चोर यहां से अंदर रखा नकदी और ड्राय फ्रूट के पैकेट सहित मंहगे आयटम चुरा ले गए। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया है। इधर पुलिस को नजदीक से आरोपियों के फुटेज मिले हैं। पुलिस के मुताबिक इरफान अहमद अंसारी निवासी चंदन नगर ने बताया कि जबरन कॉलोनी में उसकी महाराजा किराना के नाम से दुकान है।

इंदौर में पारा 2 डिग्री गिरा; गर्मी हुई कम

सुबह से छाए रहे बादल

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पिछले 24 घंटों में दिन के तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आई है जबकि रात का तापमान दो दिनों से 25 डिग्री के करीब है। मौसम का मिजाज ऐसा है कि रोज दोपहर बाद बादल छा रहे हैं और मौसम ठण्डा है। सोमवार को दिन में पारा 2 डिग्री लुढ़क गया जिससे राहत मिली। मंगलवार सुबह से भी बादल छाए रहे और मौसम ठण्डा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शाम को बूंदाबांदी के आसार हैं।इसके पूर्व सोमवार को दिन का तापमान 37.4 (0) और रात का तापमान 25.4 (+1) रिकॉर्ड किया गया था। मंगलवार को दिन का तापमान 35.8 (-2) डिग्री सेल्सियस रहा। इसके पहले 8 जून को दिन का पारा 32.8 (-6) डिग्री सेल्सियस पर चला गया था। अभी जिस प्रकार से मौसम का रुख उससे तापमान में हल्की के आसार हैं।

दरअसल अभी प्री-मानसून एक्टिविटी के चलते प्रदेश में दो तरह का मौसम है। कहीं आंधी-बारिश हो रही है तो कहीं गर्मी का असर है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से प्री-मानसून एक्टिविटी है। सोमवार को मानसून महाराष्ट्र के कई हिस्सों में पहुंचा। हालांकि, अगले दो-तीन दिन तक बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की ब्रांच थोड़ी कमजोर होगी।

इंदौर के सांघी वर्कशॉप में आग, कई कारें जलीं

चार दमकल मौके पर मौजूद, सुबह तक निकल रहा था धुआं

इंदौर (नप्र)। इंदौर में कार के शोरूम सांघी मोटर्स के वर्कशॉप में सोमवार देर रात आग लग गई। आग को बुझाने का काम मंगलवार सुबह तक जारी रहा। जानकारी के मुताबिक दमकल की चार गाड़ियां मौके पर लगाई गईं। कई टैंकर पानी डालकर आग पर काबू करने की कोशिश की गई। हादसे में सर्विसिंग पर आई एक दर्जन से ज्यादा कारों को नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड एसआई सुशील दुबे के मुताबिक आग सोमवार देर लगी थी। रात 1 बजकर 9 मिनट पर फायर कंट्रोल को सूचना मिली थी कि सांघी मोटर्स के वर्कशॉप में धुआं उठ रहा है। जब मौके पर पहुंचे तो आग विकराल हो चुकी थी। अंदर कई गाड़ियां और कबाड़ का सामान रखा हुआ था। जिसमें आग की लपटें ज्यादा फैली हुई थी। फायर ब्रिगेड अफसरों के मुताबिक अंदर ऑइल ओर पेट्रोल होने के चलते आग बेकाबू हो गई। देर रात पहले यहां दमकल की दो गाड़ियां भेजी गई थी। लेकिन आग की स्थिति देखते हुए दो और गाड़ियां तैनात की गईं। मंगलवार सुबह तक यहां से धुआं निकल रहा था।

एक और घटना, स्टार चौराहे पर चाय के ठेले पर लगी आग

स्टार चौराहे पर सोमवार देर रात 1.30 बजे आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने 2 हजार लीटर पानी डालकर आग बुझाई। मौके पर मालिक नहीं मिला तो फायर कर्मी आग बुझाकर लौट आए। दमकल के मुताबिक उन्हें चाय की दुकान पर गैस की टंकी फूटने जैसे कोई प्रमाण नहीं मिले। हालांकि घटनाक्रम के पहले सिलेंडर फटने के नाम से वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इन्दौर में श्री महालक्ष्मी स्थापना दिवस महोत्सव

भक्तों ने सामूहिक रूप से की महालक्ष्मीजी की कुमकुम अर्चना

इंदौर (नप्र)। इन्दौर के उषा नगर श्री महालक्ष्मी मंदिर में श्री महालक्ष्मी स्थापना दिवस महोत्सव मनाया जा रहा है। तीन दिन इस महोत्सव की शुरुआत 9 जून से हुई थी। रोजना बड़ी संख्या में भक्त महोत्सव में शामिल हो रहे है। मंगलवार को महोत्सव के अंतिम दिन सुबह से ही भक्तों का तांता मंदिर में लगा रहा।

महोत्सव में बड़ी संख्या में शामिल हुए भक्त

श्री महालक्ष्मी मंदिर प्रबंध समिति द्वारा ये महोत्सव कराया जा रहा है। मंगलवार को सुबह से ही भक्तों के मंदिर में आने का सिलसिला शुरू हो गया था। सुबह 7 बजे 51 कलशों से सहस्त्रधारा महारुद्र अभिषेक किया गया। इसके बाद सुबह करीब 9.30 बजे से महालक्ष्मीजी की कुमकुम अर्चना दक्षिण भारतीय पद्धति द्वारा की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं यहां उपस्थित रही और माता महालक्ष्मी की सामूहिक कुमकुम अर्चना की।महोत्सव के अंतिम दिन श्रीलक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान छत्रीबाग से नागोरिया पीठाधिश्वर स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने माता महालक्ष्मी की आरती की और भक्तों को आशीवर्चन भी दिए। महोत्सव के शाम को माता महालक्ष्मी को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। रात में भजन संध्या का आयोजन भी होगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होंगे।

इंदौर में निजी स्कूल कॉलेज की मनमानी से परेशान अभिभावक

इंदौर (नप्र)। इंदौर में निजी स्कूलों और कॉलेज की मनमानी से परेशान अभिभावक और पालक एकता परिषद के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। अभिभावकों का आरोप है कि शहर के कई निजी स्कूल और कॉलेज मनमाने ढंग से चुनिंदा दुकानों से कॉपी, किताब, स्टेशनरी और यूनीफॉर्म खरीदने का दबाव बना रहे हैं। जिसमें मोटे तौर पर स्कूल संचालकों का भी कमीशन शामिल होता है। मप्र विद्यार्थी एवं पालक एकता परिषद के अध्यक्ष जीतू दीवान ने कहा कि कई सालों से शहर में कई बड़े शिक्षा माफिया कब्जा कर बैठें हैं। हर साल मनमाने तरीके से स्कूलों-कॉलेज की फीस बढ़ा देते हैं। इंदौर शहर में ही तकरीब 70 परसेंट स्कूल-कॉलेज ऐसे है जहां मनमाने ढंग से फीस बढ़ा दी गई। हमने अभी कलेक्ट्रेट कार्यालय में विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

इंदौर में अंर्तराज्यीय बुर्का गैंग गिरफ्तार..ज्वेलरी शॉप में करती थीं चोरी

अलग-अलग 3 ऑटो से लगाए राजवाड़ा के कई चक्कर, फिर कार से हुई थीं फरार

इंदौर (नप्र)। इंदौर के सराफा में चार दिन पहले ज्वेलरी शॉप पर चोरी करने वाली दो महिला चोर और उनके साथी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी इंदौर में वारदात करने के बाद मालेगांव भाग गई थी। कार का नंबर ट्रेस होने के बाद पुलिस टीम मालेगांव पहुंची और तीनों को दबोच लिया। दोनों महिलाओं ने बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस को चकमा देने के लिए तीन अलग-अलग ऑटो से राजवाड़ा के चक्कर भी लगाए। इसके बाद सुभाष चौक पार्किंग में कार लेकर खड़े साथी के साथ मालेगांव भाग गई थी। बताया जा रहा है कि उक्त गिरोह बुर्का गैंग के नाम से कुख्यात है और पूर्व में भी महाराष्ट्र के साथ ही अन्य राज्यों में भी वारदात कर चुकी हैं। डीसीपी ऋषिकेश मीना की टीम ने प्रदीप जैन निवासी मून पैलेस की दुकान पर हुई वारदात के मामले में दो महिला चोर सईदा, सायदा और उनके साथी राजेश को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 10 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की सोने की लटकन और कार भी जब्त की गई है। प्रदीप ने अपनी शिकायत में बताया था कि उनकी बड़े सराफा में मण्डोत ज्वेलर्स नाम से दुकान है। आरोपी महिलाएं दुकान पर सोने की लटकन लेने आई थी। एक लटकन पसंद करने के बाद उन्होंने उसे चपटी बताते हुए एक हजार रुपए देकर कहा कि वह कुछ देर में वापस आ रही हैं। तब तक इसे ठीक कर के रखे। बाद में महिलाएं वापस नहीं आई।

फुटेज में ऑटो से राजवाड़ा के चक्कर लगाती दिखीं

मामले में सराफा थाने की टीम ने व्यापारी प्रदीप के यहां से मिले फुटेज के आधार पर जांच शुरू की। फुटेज में दोनों महिलाओं ने पहले एक ऑटो से राजवाड़ा के दो चक्कर लगाए, फिर यह कहते हुए उतर गई कि हमारे एक परिचित आ रहे हैं, उन्हें आने में टाइम लग रहा है, आप निकल जाओ। इसके बाद दूसरा ऑटो लिया। इससे भी राजवाड़ा के दो चक्कर लगाने के बाद दूसरी तरफ उतर गई। फिर तीसरे ऑटो में बैठकर सुभाष चौक पार्किंग पहुंची। वहां से कार में बैठकर जाती नजर आई। फुटेज के आधार पर पुलिस ने कार नंबर ट्रेस करना शुरू किया। नंबर के आधार पर कार इंदौर-मुंबई हाईवे के टोल से पास होने की जानकारी मिली। इसके बाद आरोपी महिलाओं के पीछे पुलिस टीम मालेगांव पहुंची और उन्हें गिरफ्तार किया। आरोपी महिलाओं ने महाराष्ट्र के चिखली और अन्य जिलों में भी वारदात करना कबूला है। अभी उनसे पूछताछ जारी है।

देर शाम प्रदीप ने जब शॉप बंद करने के पहले सामान चेक किया तो करीब 150 ग्राम से अधिक की सोने की लटकन गायब मिली। इस पर उन्होंने तत्काल सराफा टीआई को जानकारी देकर केस दर्ज कराया।दोनों आरोपी महिलाएं सुभाष चौक पार्किंग में कार लेकर खड़े तीसरे साथी के साथ वारदात के बाद मालेगांव भाग गई थी।

ट्रैक्टर की टक्कर से दो दोस्तों की मौत

इंदौर (नप्र)। इंदौर के सांवेर रोड पर दो दोस्तों की हादसे में मौत हो गई। दोनों फैक्ट्री से काम निपटाकर अपने घर की तरफ जा रहे थे। तभी उन्हें एक ट्रैक्टर ने चपेट में ले लिया। बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना वैष्णव इंजीनियरिंग कॉलेज के पास की है। यहां पर प्रदीप पुत्र दशरथ और उनके साथ गब्बर पुत्र धीरज सिंह निवासी मालवीय नगर को एक ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जाता है कि दोनों विदिशा के रहने वाले थे। इंदौर में सांवेर रोड पर एक रॉड बनाने की फैक्ट्री में काम करते थे। पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर में अवैध कॉलोनाईजेशन को रोकने नये दिशा-निर्देश जारी

अवैध कॉलोनी बसाने वालों के साथ अब अवैध कॉलोनी में प्लाट बेचने वालों पर भी कार्रवाई

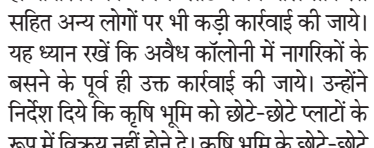

इंदौर (नप्र)। इंदौर में अवैध कॉलोनाईजेशन पर सख्ती से रोक लगाई जायेगी। अवैध कॉलोनी बसाने वालों के साथ ही अवैध कॉलोनी में प्लाट बेचने वालों के विरूद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जायेगी। अवैध कॉलोनाईजेशन पर रोक लगाई जाने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले के सभी एसडीएम और अन्य राजस्व अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये है। कलेक्टर आशीष सिंह ने इन निर्देशों को कडाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। अवैध कॉलोनी बसाने वालों के साथ ही नागरिकों को अवैध प्लाट बेचने वाले ब्रोकरर्स सहित अन्य लोगों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाये। यह ध्यान रखें कि अवैध कॉलोनी में नागरिकों के बसने के पूर्व ही उक्त कार्रवाई की जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि कृषि भूमि को छोटे-छोटे प्लाटों के रूप में विक्रय नहीं होने दे। कृषि भूमि के छोटे-छोटे प्लाटों के रूप में विक्रय/नामांतरण पर तत्काल रोक लगाई जाये।

वृद्धा से मंगलसूत्र लूटने वाले उत्तराखंड से पकड़ाए

300 से ज्यादा सीसीटीवी और मोबाइल लोकेशन से पुलिस लुटेरों तक पहुंची

इंदौर (नप्र)। इंदौर के अन्नपूर्णा में बुजुर्ग महिला को लूटने वाले आरोपी उत्तराखंड से पकड़ा गए हैं। अन्नपूर्णा पुलिस ने लुटेरों तक पहुंचने के लिए 300 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज चेक किए हैं। वृद्धा से 30 मई की सुबह पता पूछने के बहाने लूट लिया था। डीसीपी ऋषिकेश मीना की टीम ने जाकिर हुसैन पुत्र हसनुद्दीन निवासी गूलर भोज रुद्रपुर उत्तराखंड को पकड़ा है। उसके एक अन्य साथी को भी हिरासत में लिया है। आरोपियों ने प्रभा द्विवेदी (61) निवासी आशीर्वाद एवेन्यू के साथ लूट की वारदात की थी। प्रभा ने बताया कि 30 मई की सुबह 6.30 बजे अपने घर से चाणक्य पुरी चौराहे तरफ पैदल गणेश मंदिर जाने के लिये निकली थी। वह अहिल्या नगर सर्विस रोड पर थी। तभी बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए और एक बदमाश बाइक से उतरा। उसने गले से मंगलसूत्र छीना। दूसरे हाथ से मोबाइल छीनते हुए बाइक पर बैठे अपने साथी की तरफ भागा। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए।

प्रभा ने परिवार को जानकारी दी। इसके बाद परिवार थाने पहुंचा। यहां शिकायत लिखने के बाद पुलिस जांच में जुट गई। पुलिस ने बताया कि सबसे पहले कैफे का सीसीटीवी देखा। इसमें आरोपियों के पहचान की गई। प्रभा के पुष्टि करने के बाद लगातार पुलिसकर्मी. जितेंद्र, राकेश और ऋषिकेश रावत ने 300 से ज्यादा फुटेज चैक किए। वहीं सिपाही गौरव परमार ने टेक्नीलक डाटा निकालकर आरोपी के उत्तराखंड में होने की जानकारी दी। इसके बाद उन्हें दबोच लिया गया।

इंदौरः जनसुनवाई में अब अधिकारियों से सीधे मिल सकेंगे

मंगलवार से नई व्यवस्था के साथ शुरू हुई जनसुनवाई

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मंगलवार से नई व्यवस्था और नये स्वरूप में कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई होगी। इस नई व्यवस्था के तहत सुनवाई की अलग अलग व्यवस्था की गई है। अधिकारियों से मिलने के लिए आवेदकों को कतार में नहीं लगना होगा। अधिकारियों के कक्ष में आवेदक सीधे पहुंचकर अपनी समस्याएं बता सकेंगे। अधिकारी इन समस्याओं का टीप अंकित करते हुये त्वरित और सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करेंगे। आवेदनों की निराकरण की कलेक्टर हर सप्ताह मॉनिटरिंग करेंगे।

कलेक्टर आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे जनसुनवाई में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अनिवार्य रूप से अपने-अपने कक्षों में मौजूद रहें। आवेदकों की समस्याओं को गम्भीरता और संवेदनशीलता के साथ सुने। समस्याओं का तत्काल एवं सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करें। निराकरण की टीप आवेदक के आवेदन पर लिखे। इसकी एंट्री निर्धारित पोर्टल पर भी करें। उन्होंने कहा कि निराकरण की मेरे द्वारा हर सप्ताह समीक्षा की जायेगी। मैं हर जन सुनवाई में कोर्ट रूम में मौजूद रहूगा और ऐसे आवेदक जिनकी अधिकारियों द्वारा सुनवाई नहीं हुई है उन्हें में सुनूंगा। अधिकारियों द्वारा समस्याओं के निराकरण में लापरवाही पाये जाने पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

पत्नी को गाल-गले पर मारा चाकू

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमआईजी इलाके में एक महिला पर पति ने चाकू से हमला कर दिया। महिला को गाल और गले में चोट आई है। पति थाने में दर्ज केस को वापस लेने के लिए दबाव बना रहा था। पत्नी ने पुलिस को बताया कि जेठ और ननंद ने भी बाल पकड़कर बंद कर दिया। उसके साथ मारपीट भी की। रहवासियों ने उसे बचाया और अस्पताल भेजा। पुलिस ने केस दर्ज किया है। एमआईजी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आशा जारवाल अपनी मां सुशीला और बहन लक्ष्मी के साथ थाने पहुंची। उन्होंने बताया कि वह घर का काम कर रही थी। तब पति अशोक जारवाल आए और एफआईआर की बात को लेकर अपशब्द कहने लगे। कहा कि तुम्हें बहुत शौक है एफआईआर लिखवाने का। हमारे खिलाफ थाने में रिपोर्ट की हुई है। उसे वापस क्यों नहीं लेती।

संपादकीय

भागवत की नसीहत!

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक बार फिर मोदी सरकार को नसीहत दी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसका कहीं कोई असर होगा? खासकर तब कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना कद इतना ऊंचा कर लिया है कि लगता उन्हें अब अपनी मातृ संस्था आरएसएस की भी जरूरत नहीं है। वैसे बीच-बीच में भागवत मोदी सरकार को चेताते रहते हैं। इस बार भी उन्होंने नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में कार्यकर्ता विकास वर्ग कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोलते हुए कुछ महत्वपूर्ण बातें कहीं। भागवत ने कहा कि जो अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मर्यादा की सीमाओं का पालन करता है, वही सेवक कहलाने का हकदार है। हाल में हुए चुनाव के संदर्भ में भागवत ने चुनाव में भी आचरण की मर्यादा की पैरवी करते हुए कहा कि जब चुनाव होता है तो मुकाबला जरूरी होता है। इस दौरान दूसरों को पीछे धकेलना भी होता है, लेकिन इसकी एक सीमा होती है। यह मुकाबला झूठ पर आधारित नहीं होना चाहिए। लोगों ने जनादेश दिया है, सब कुछ उसी के अनुसार होगा। क्यों? कैसे? संघ इसमें नहीं पड़ता। दुनियाभर में समाज में बदलाव आया है, जिससे व्यवस्थागत बदलाव हुए हैं। यही लोकतंत्र का सार है। उन्होंने कहा कि चुनाव में आरएसएस को जबरन खींचा गया है। भागवत ने यह भी कहा कि संघ हर चुनाव में जनमत को परिष्कृत करने का काम करता है, इस बार भी किया, लेकिन नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता। इसी लोकतंत्र में प्रतिपक्ष को लेकर भी उनका कहना था कि संसद में किसी प्रश्न के दोनों पहलू सामने आएं, इसलिए ऐसी व्यवस्था है। विपक्ष को विरोधी पक्ष की जगह प्रतिपक्ष कहना चाहिए। लेकिन भागवत की सबसे महत्वपूर्ण टिप्पणी मणिपुर के हालात को लेकर थी। उन्होंने कहा कि मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है। बीते 10 साल से राज्य में शांति थी, लेकिन अचानक से वहां गन कल्चर बढ़ गया। जरूरी है कि इस समस्या को प्राथमिकता से सुलझाया जाए। भागवत ने सवाल किया कि मणिपुर जल रहा है, इस पर कौन ध्यान देगा। एक साल से मणिपुर शांति की राह देख रहा है। इससे पहले 10 साल शांत रहा और अब अचानक जो कलह वहां पर उपजी या उपजाई गई, उसकी आग में मणिपुर अभी तक जल रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है। इस पर कौन ध्यान देगा? प्राथमिकता देकर उसका विचार करना यह कर्तव्य है। मणिपुर हिंसा में 200 से ज्यादा मौतें हुई हैं और 50 हजार लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। मोहन भागवत ने जो कहा वह हकीकत है। पिछले राज्य के मैतेई समुदाय को आदिवासी कोटे में आरक्षण देने के मणिपुर हाई कोर्ट के आदेश के बाद वहां जो जातीय हिंसा शुरू हुई है, वह रूकने का नाम ही नहीं ले रही है। मोदी सरकार इस मामले में हाथ पर हाथ धरे बैठी है। न किसी से बात की जा रही है और न ही सम्बन्धित पक्षों को बैठाकर शांति कायम कैसे हो, इसकी कोई पहल की जा रही है। पिछले साल एक बार जरूर गृह मंत्री अमित शाह वहां गए थे, उसके बाद तो जैसे मणिपुर उपद्रवियों के हवाले कर दिया गया है। वहां जातीय हिंसा में अब तक दो सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। पूरा मणिपुर मैतेई विरूद्ध कुकी नगा में बंट चुका है। कोई एक दूसरे के इलाके में जाने की हिम्मत भी नहीं कर सकता। लेकिन मोदी सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंग रही। सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार भागवत की नसीहत को गंभीरता से लेगी?

नजरिया

– सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनाव 24 : सलाम का हकदार है अवाम

गठबंधन धर्म में हेठी या हेकड़ी नहीं चलती और 'मैं' का स्थान 'हम' ले लेता है। गठबंधन के तकाजों को पूरा करने के लिये कई बार जिद और शर्तें छोड़ने होती है और बाज वक्त उनकी कुछ अप्रिय बातें भी माननी होती हैं, जिनके सहयोग से आप सत्ता से बेदखल होकर भी सत्ता में बने हुये हैं। यही वे अहम कीमती संदर्भ है, जो एनडीए की गठबंधन सरकार में चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की महत्ता बढ़ा देते हैं और सियासत की मुंडेर पर अटकलों के सब्जों को हवा देते हैं। नीतीश सामाजिक न्याय के पुरोधा सयाने नेता हैं और चंद्रबाबू सेक्यूलर – सोच के प्रगतिशील महारथी। उनकी बरीयताएं स्पष्ट हैं। बीजेपी– नेताओं ने उन्हें अतीत में बहुत तल्ख टिप्पणियों से नवाजा है। बावजूद इसके सच यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी मित्र होता है और न ही कोई स्थायी शत्रु। राजनीति अवसरों को भुनाने का संभावनाओं भरा खेल है। जनादेश – 24 का भी सबक यही है कि हर ऊंट को एक न एक दिन पहाड़ के नीचे आना होता है। वक्त ने जिनकी 'रऊनत' पे खाक डाली है, उन्हें बे–मन से ही सही राजनीति ने सबक सीखने होंगे, जो जरूरी हैं और कीमती भी। वक्त आ गया है कि धार्मिक उन्माद और घृणा की राजनीति पर खाक डाली जाए

जनादेश 24 आ चुका है। वह स्पष्ट है। क्रिस्टल क्लियर। किसी मणिभ की नाई पारदर्शी। अबकी बार, 400 पार के नारे के बरक्स इस जनादेश के निहितार्थों को सहज ही बूझा जा सकता है। तुमार तो खूब बांधा गया, लेकिन गारंटियां थोथी साबित हुईं; निष्प्रभ और बेअसर। दस साल पहले के कांग्रेस मुक्त भारत के जुमले में बीजेपी ने आसेतु हिमालय हवा तो खूब फूंकी, लेकिन जनता ने कंदुक की हवा निकाल दी। नरेन्द्र मोदी की गारंटियों के मुकाबले उजली संभावना बनकर उभरे राहुल गांधी। वायनाड (केरल) और रायबरेली (उत्तर प्रदेश) से भारी मतों से जीत कर संसद में पहुंचे। यही नहीं, नेहरू-गांधी परिवार के पिछले चार से अधिक दशकों से अंतरंग सदस्य रहे केएल शर्मा भी अमेठी से बड़बोली नेत्री स्मृति ईरानी को परास्त कर विजयी रहे।

स्वस्थ्य लोकतंत्र और मुद्दों की राजनीति के लिहाज से सांगली से निर्वाचित विशाल पाटिल और पप्पू यादव की 'ज्वाइनिंग' के बाद कांग्रेस का संसद में आंकड़ा 101 तक पहुंचना सुखद है। आसार बने हैं कि सत्ता पक्ष के लिए अब सांसद में विपक्ष की आवाज को दबाना न तो आसान होगा और न ही विपक्ष की आवाज नक्कार खाने में तूती की आवाज साबित होगी। नयी संसद में राहुल की तार्किकता को महुवा मोइत्रा जैसों की आवाज यकीनन और धार देगी। सिर्फ सांख्यिकी की बात करें तो बीजेपी 272 के जादुई अंक तक नहीं पहुंच सकी है। दो सौ बहत्तर के चमकीले शीर्षांक से वह तीस पायदान पीछे हैं। जाहिर है कि बिलों को पारित करने के लिए उसे बाहरियों की जरूरत हर सूं बनी रहेगी। ईवीएम में पेंच, केन्द्रीय चुनाव आयोग की लचर और लिजलिजी भूमिका और अनेक संसदीय क्षेत्रों में कुछ सौ से कुछ हजार के बीच वोटों से जीत को एकबारगी छोड़ भी दे तो आये परिणाम बीजेपी के प्रति आवाम की सोच और सलूक का परिचय देते हैं। फैजाबाद (अयोध्या) में सपा की जीत के बाद जिस प्रकार वहां के मतदाताओं को भक्त-संप्रदाय ट्रोल कर रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण और विषाक्त मानसिकता है। गौर करें कि शपथ ग्रहण के समय जम्मू में बस यात्रियों पर आतंकी हमला होता है।

दूसरी ओर चिर बैरी पाकिस्तान के साथ भारतीय क्रिकेट टीम क्रिकेट मैच खेल रही होती है। इस बीच खबर आती है कि बीजेपी को वोट नहीं देने पर पर बीड़ में आरक्षण समर्थकों पर हमले किये जा रहे हैं। बीड़ में मनोज जरांगे पुनः अनशन पर बैठ जाते हैं। मणिपुर में सीएम के काफिले पर हमला होता है। अब बातों को जोड़े और बीजेपी की रीति-नीतियों और दावों के खोखलेपन को समझने की कोशिश करें। 8 जून को लखनऊ में आप पार्टी के दफ्तर में संवाददाताओं से चर्चा में आप के नेता संजयसिंह ने कुछ पते की बातें कहीं। उन्होंने संकेत दिया कि बीजेपी की अनिच्छा या इंकार की स्थिति में इंडिया गठबंधन स्पीकर के चुनाव में तेलुगु देशम का समर्थन कर सकता है। बकौल संजय, यदि बीजेपी का स्पीकर चुना जाता है, तो तीन खतरे हैः एक, छोटे दलों को तोड़े जाने का खतरा, दो,

विपक्षी सांसदों को बोलने पर मनाही और तीन, संविधान की धज्जियां उड़ाये जाने का खतरा! संजय के मुताबिक, पिछली लोकसभा में विपक्ष के 150 सांसदो को निलंबित किया गया। संजय सिंह ने यह भी कहा कि प्रमुखतः टीडीपी और जद (यू) के समर्थन की यह सरकार 13 दिन भी चल सकती है और तेरह महिने भी। क्योंकि यूसीसी और अग्निवीर योजना को लेकर इन दोनों दलों से बीजेपी की मतभिन्नता है। और फिर, मोदी अटलबिहारी वाजपेयी नहीं हैं। मोदी अहंकार और नफरत की राजनीति करते हैं। तभी बीजेपी फैजाबाद की सीट हार गयी। यही नहीं, अयोध्या के साथ-साथ वह इलाहाबाद, चित्रकूट, सुल्तानपुर जैसी सीटें भी हार गयी। उसे सालासार, रामेश्वर, तिरुपति में भी मात मिली। कयास कई है। यह मनमर्जी की खुद मुख्तार सरकार नहीं है। यह बीजेपी की राजनैतिक और मोदी की नैतिक पराजय है। किन्तु उनमें जनादेश की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति और सम्मान का साहस नहीं है। उलटे कुतर्कों के आधार पर पार्टी की तीसरी बार जीत का नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। किसी भी कीमत पर सत्ता में आने की बेताबी के पीछे नेहरू से बराबरी, अर्श के फर्श पर आने की भयभीति और बेखटके राज के दरम्यान घपलों - घोटालों के पर्दाफाश के कारणों का हाथ है। बीजेपी नाम की पार्टी विद ए डिफरेन्स अब सत्ता के कुंड के बाहर नहीं रह सकती। उसके जबड़ों में सत्ता का स्वाद लग चुका है। मगर सन 2014 या सन 2019 और सन 2024 में फर्क है। स्वयं को नान बायोलाजिकल प्रोडक्ट, अयोनिज, अनंडज और अविनाशी अवतार निरूपित करनेवाले विश्वगुरु अब बैसाखी-गुरु हैं। बीजेपी के विजेता सांसदों में अब वह 116 वीं पायदान पर हैं। उन्होंने सन 2002 में भाजपा के शीर्ष नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सीख की चिंता नहीं की थी, किन्तु नयी परिस्थितियों में उन्हें राज- धर्म, जो वस्तुतः गठबंधन-धर्म है, का पालन करना होगा।

गठबंधन धर्म में हेठी या हेकड़ी नहीं चलती और 'मैं' का स्थान 'हम' ले लेता है। गठबंधन के तकाजों को पूरा करने के लिये कई बार जिद और शर्तें छोड़ने होती है और बाज वक्त उनकी कुछ अप्रिय बातें भी माननी होती हैं, जिनके सहयोग से आप सत्ता से बेदखल होकर भी सत्ता में बने हुये हैं। यही वे अहम कीमती संदर्भ है, जो एनडीए की गठबंधन सरकार में चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की महत्ता बढ़ा देते हैं और सियासत की मुंडेर पर अटकलों के सब्जों को हवा देते हैं।

नीतीश सामाजिक न्याय के पुरोधा सयाने नेता हैं और चंद्रबाबू सेक्यूलर - सोच के प्रगतिशील महारथी। उनकी बरीयताएं स्पष्ट हैं। बीजेपी- नेताओं ने उन्हें अतीत में बहुत तल्ख टिप्पणियों से नवाजा है। बावजूद इसके सच यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी मित्र होता है और न ही कोई स्थायी शत्रु। राजनीति अवसरों को भुनाने का संभावनाओं भरा खेल है। जनादेश - 24 का भी सबक यही है कि हर ऊंट को एक न एक दिन पहाड़ के नीचे आना होता है। वक्त ने जिनकी 'रऊनत' पे खाक डाली है, उन्हें बे-मन से ही सही राजनीति ने सबक सीखने होंगे, जो जरूरी हैं और कीमती भी। वक्त आ गया है कि धार्मिक उन्माद और घृणा की राजनीति पर खाक डाली जाए। गैर मुद्दों पर मुद्दों को तरजीह दी जाये। सरकारी एजेसियों को सर्जरी और व्यवस्था को सेहतयाब बनाने में इस्तेमाल किया जाये, न कि बैरियों के अंगभंग कर इन्हें विकलांग करने में।

असंतोष और अंतर्विरोध भीतर भी है और बाहर भी। चुनौतियां सरहद पार से है और सरहद के भीतर भी। गठबंधन-सरकार चलाना तलवार की धार पर धावनो है। मोदी का पिंड अटल या मनमोहन से भिन्न है। बड़ी बात यह कि राहुल अब नये 'अवतार' में हैं; आक्रामक, निडर और साफगो। नरेंद्र मोदी का शपथ के पहले बापू की समाधि पर जाना और संविधान को सिरमाथे लगा लेना बापू और संविधान की महत्ता का द्योतक है।

बहरहाल, जनादेशः 24 ने बहुत कीमती सबक परोसे हैं। ये सबक राजनीति के कई विकारों को दुरुस्त कर सकते हैं। ये सबक सत्ता और विपक्ष दोनों के लिये हैं। तंत्र पर लोक की विजय के इस पर्व ने लोकतंत्र, सेक्यूलरवाद और संविधान में अवाम की अटूट निष्ठा की बखूबी तस्दीक की है, फलतः अवाम सलाम की हकदार है।

राजनीति

तनवीर जाफरी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मतदाताओं पर टिप्पणियां, जनादेश का अपमान

जनादेश 2024 तो ज़रूर आ चुका है परन्तु 'षड्यंत्रकारी एक्ज़िट पोल' की हवा निकलने के बाद आये आश्चर्यचकित करने वाले इस जनादेश ने ख़ास तौर पर उन लोगों के मुंह का स्वाद बिगाड़ कर रख दिया है जो 'अबकी बार 400 पार' जैसे फ़र्ज़ी नारों और गोदी मीडिया द्वारा प्रचारित झूठे एग्ज़िट पोल में दिखाई गयी मोदी के नेतृत्व में भाजपा की धमाकेदार वापसी की पूरी उम्मीद लगाये बैठे थे। सत्ता की दलाली करने वाले एक चैनल ने तो अपने एग्ज़िट पोल में एन डी ए को 400 पार करा भी दिया था। परन्तु भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में इस बार के परिणाम कुछ ऐसे आये हैं कि एनडीए बहुमत के आंकड़ों को पार करने के बावजूद विलाप कर रहा है जबकि बहुमत के आंकड़ों से दूर रहने के बाद भी विपक्षी गठबंधन में जश्न का माहौल है। चुनाव परिणाम जो भी हों परन्तु परिपक्व राजनीति का तक़ाज़ा तो यही है कि भारतीय लोकतंत्र में जनमत चाहे जो भी हो जैसा भी हो उस का सम्मान किया जाना चाहिये व उसे विनम्रतापूर्ण स्वीकार किया जाना चाहिये।

परन्तु इस बार के चुनाव परिणामों के बाद ख़ासतौर पर कुछ विशेष सीटों पर मिली पराजय या उनके अप्रत्याशित नतीजों के बाद पराजित पक्ष के लोगों ने अपना ग़ुस्सा मतदाताओं पर निकालना शुरू कर दिया है। कई पराजित लोग तो मतदाताओं के निर्णय की खुलकर आलोचना कर रहे हैं। इनमें सबसे अधिक व तीखी प्रतिक्रिया फैज़ाबाद संसदीय सीट को लेकर सुनाई दी। इसी लोकसभा सीट के अन्तर्गत अयोध्या विधानसभा क्षेत्र भी आता है जहां निर्मित राम मन्दिर को लेकर भारतीय जनता पार्टी न केवल फैज़ाबाद,न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के मतदाताओं से यह आस लगाये बैठी थी कि इसी वर्ष 22 जनवरी को हुये राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद उसे ऐतिहासिक बहुमत हासिल होगा। इसी सीट से लल्लू सिंह जो कि बाल्यकाल से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं तथा पांच बार अयोध्या से विधायक और दो बार फैज़ाबाद लोकसभा सीट से ही लोकसभा का चुनाव भी जीत चुके हैं वह तीसरी बार भी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ इसी लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में थे। परन्तु यहाँ के मतदाताओं ने एक अप्रत्याशित जनादेश देते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अर्थात् इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को 54,567 मतों से जिता दिया। केवल अयोध्या ही नहीं बल्कि चित्रकूट,मेहंदीपुर बालाजी,सलासर धाम जैसी और भी अनेक धर्म नगरियां हैं जहाँ भाजपा 'धर्म ध्वजा' के सहारे जीत हासिल करना चाहती थी परन्तु ऐसे सभी क्षेत्रों से भाजपा प्रत्याशियों को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। हद तो यह है कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन्होंने स्वयं को 'अवतारी' होने का भ्रम पाल रखा था और 2019 के चुनाव में काशी से ही 4 लाख 71 हज़ार के अंतर से जीत हासिल की थी वे इस बार कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय को मात्र 152513 मतों से ही पराजित सके। जबकि ऐतिहासिक रोड शो, प्रेस कॉन्फ्रेंस और गंगा में क्रूज़ यात्रा जैसी शो बाज़ियों के सहारे वे इस बार 10 लाख से अधिक मतों से जीतने का सपना देख रहे थे। राजनैतिक विश्लेषकों का तो यहाँ तक कहना है कि यदि कांग्रेस ने मोदी के मुक़ाबले प्रियंका गांधी को उतारा होता तो शायद इस बार वे प्रधानमंत्री बनना तो दूर सांसद भी नहीं बन पाते।

ठीक इसके विपरीत कांग्रेस समाजवादी गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में वह धमाका कर दिया जिसकी शायद इण्डिया गठबंधन को भी उम्मीद नहीं थी। यहाँ इण्डिया गठबंधन ने 42 सीटों पर जीत हासिल की। उधर भाजपा द्वारा 'पप्पू' प्रचारित किये गए राहुल गाँधी जहां वायनाड से 3.64 लाख वोटों से जीते वहीं उन्होंने उत्तर प्रदेश के मंत्री बीजेपी के प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से 3.90 लाख वोटों से पराजित किया। उपरोक्त जनादेश निश्चित रूप से न केवल मंहगाई, बेरोज़गारी, साम्प्रदायिकता तथा धर्म के नाम पर समाज को विभाजित कर जन सरोकार के मूल मुद्दों से जनता जनार्दन का ध्यान भटकाकर उसे धार्मिक भावनाओं में उलझाकर रखने के विरुद्ध था बल्कि यह जनादेश जनता द्वारा सत्ता का घमंड चूर कर देने के लिये भी था। परन्तु जनता के हाथों अपनी मुंह की खाने वाले भाजपाइयों को जो 400 पार और 370 पार जैसे नारों में जी रहे थे उन्हें यह जनादेश क़तई नहीं भाया। इसलिये न केवल अंधभक्तों ने बल्कि साम्प्रदायिक विद्वेष के बल पर अपनी नैय्या पार करने की इच्छा पाले कई पराजित उम्मीदवारों ने भी मतदाताओं को ही गरियाना शुरू कर दिया।

अयोध्या-फैज़ाबाद के मतदाताओं को तो इतना कोसा गया व उनके लिये ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया मानो इस लोकसभा सीट की भाजपा ने अपने नाम 'रजिस्ट्री' ही करा ली थी जिसे जनता ने छीन लिया। आखिर अयोध्या की जनता ने किन कारणों से यह जनादेश दिया क्या 'जो राम को लाये हैं हम उनको लायेंगे' जैसा नारा जो भाजपाई लगाते फिर रहे थे वह नारा पूरे देश का सर्वस्वीकार्य नारा है? क्या शंकराचार्यों से लेकर अयोध्या के साधु संत तक इस अहंकारी नारे से सहमत हैं ? अब तो लोग यही मान रहे हैं कि भगवान राम ने ही अहंकारियों को आईना दिखाया है और चेताया है कि धर्म किसी भी व्यक्ति की निजी आस्था व विश्वास का विषय है राजनीति व सत्ता के लिये दुरूपयोग का नहीं। इसी तरह रायबरेली की जनता के हाथों पराजित भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह तो अपनी शर्मनाक पराजय से रायबरेली के मतदाताओं से इतना आग बबूला हुये कि उन्होंने घोषणा कर दी कि वे 'एक वर्ष के अवकाश पर रहेंगे और रायबरेली की जनता का कोई काम ही नहीं करेंगे। जिसे काम कराना हो वह राहुल गाँधी के पास ही जाये।'

इसी तरह साम्प्रदायिकतावादी भक्तजन भाजपा के सपने टूटने के लिये कहीं मुस्लिम मतदाताओं को ज़िम्मेदार ठहराते हुये अपशब्द कह रहे हैं तो कहीं दलितों व पिछड़ों को गालियां रहे हैं। सवाल यह है कि क्या देश का मतदाता किसी भी दल या राजनेताओं का गुलाम है जो उनकी इच्छाओं के अनुरूप ही मतदान करे? क्या यह ज़रूरी है कि भक्तों, साम्प्रदायिकता वादियों की नज़रों में जो सबसे ज़रूरी विषय हो मतदाता भी उसे वैसी ही प्राथमिकता दें? हिमाचल प्रदेश दिल्ली, उत्तरांचल,मध्यप्रदेश,कर्नाटक, उड़ीसा जैसी कई जगहों पर भाजपा ने निश्चित रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। विपक्षी दलों के नेता उन राज्यों के मतदाताओं को तो गलियां नहीं दे रहे हैं ? बल्कि वहां आत्म मंथन की बात कर रहे हैं। एन डी ए ख़ासकर भाजपाई नेताओं व 'अंधभक्तों' को भी मतदाताओं को गरियाने या परिणाम पर विलाप करने के बजाय आत्म मंथन ही करना चाहिये। पराजय पर इस तरह का विलाप व मतदाताओं को कोसना व गालियां देना तो दरअसल जनता जनार्दन द्वारा दिये गये जनादेश का अपमान ही कहा जायेगा।

दृष्टिकोण

– प्रो. (डॉ.) देवेन्द्र विश्वकर्मा

लेखक युवा आर्थिक परिषद के अध्यक्ष हैं।

जलवायु परिवर्तन भारत की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती

भारत दुनिया में मोबाईल फोनों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। जहां हर वर्ष 1.5 मिलियन टन से अधिक ई-कचरे का निर्माण होता है और ज्यादातर उपभोक्ताओं को अब भी इस बात की जानकारी नहीं है कि उन्हें अपने ई-कचरे का निपटान कैसे करना है। ई-कचरे की री-साइक्लिंग का काम पूरी तरह लगभग अनौपचारिक क्षेत्र पर छोड़ दिया गया है, जिसके पास इसकी बढ़ती मात्रा से निपटने के पर्याप्त तौर तरीके अथवा प्रक्रियाएं नहीं है, जिसके कारण मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिये असहनीय जोखिम उत्पन्न हो गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन स्वास्थ्य के सामाजिक और पर्यावरण संबंधी पहलुओं पर बुरा असर डालता है। मसलन साफ हवा, पीने का शुद्ध पानी, खाद्य सुरक्षा और आवास। जलवायु परिवर्तन के कारण साल 2030 से 2050 के दौरान हर साल तकरीबन ढाई लाख अतिरिक्त मौतें होने की आशंका है। ये मौतें कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और गर्मी के प्रकोप जैसी बीमारियों से हो सकती हैं। साल 2030 तक स्वास्थ्य पर इस सिलसिले में खर्च 2-4 अरब डॉलर होने का अनुमान है।

आज के उपभोक्तावादी-युग में, आर्थिक-शक्ति बनने की होड़ में लगा मनुष्य प्रकृति-प्रदत्त सेवाओं का शोषण पृथ्वी की धारणयी-सीमा या सस्टेनेबल लिमिट व क्षमता से बहुत आगे जाकर चला जा रहा है, जिसका अंत बहुत सी प्राकृतिक आपदाओं के बाद, संपूर्ण धरती का विनाश होगा, यह हम सब जानते हैं।

जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत बढ़ता तापमान, वर्षा होने की प्रक्रिया में परिवर्तन और विषम मौसम घटनाएं शामिल है। जलवायु परिवर्तन में संबद्ध अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी), संयुक्त राष्ट्र के जलवायु विज्ञान निकाय के वैज्ञानिकों द्वारा पिछले साल अक्टूबर में बुसान, दक्षिण कोरिया से जारी चेतावनी, भारत के लिए पूरी तरह से अप्रत्याशित नहीं है, जिसमें कहा गया था कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन आदि वर्तमान दरों पर जारी रहा तो इसके तत्काल और गंभीर परिणाम होंगे।

यदि धरती के तापमान में वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक होती है, तो जलवायु परिवर्तन की चपेट में आने वाले अपेक्षाकृत गरीब देशों में, भारत सबसे अधिक प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा। अब यह पहले से कहीं अधिक स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन के कई प्रतिकूल प्रभाव अपरिहार्य हैं। दक्षिण एशिया, विशेष रूप से भारत एक जोखिम का केन्द्र है, और ग्रह का तापमान बढ़ने के साथ, उसे अनेक और अतिव्यापी खतरों का सामना करना पड़ेगा।

तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि पर भी सूखा और बाढ़, लू के प्रकोप परिवास में विकृति और फसल पैदावार में कमी जैसे गहन दुष्प्रभाव सामने आएंगे।

भारत को अपने लोगों के विकास की खाई को बाटने और निरंतर आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए, अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और सतत् विकास की अपनी प्रतिबद्धताओं के दायरे से आगे बढ़ना होगा। इसके लिए कोयला, बिजली संयंत्रों के स्थान पर सौर पैनलों और पवन टरबाइनों की स्थापना और जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों से स्थान पर इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल से भी अधिक कुछ करना होगा।

जलवायु परिवर्तन भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए एक जटिल चुनौती है। महत्वपूर्ण विकास घाटे के साथ एक बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्था, जिसमें लाखों लोग गरीबी में रहने वाले हों, अपनी अर्थव्यवस्था को कैसे आगे बढ़ाते हैं और अपने कार्बन फुटप्रिंट को सीमित करते हुए विकास को बनाए रखते हैं ताकि अपने लोगों पर जलवायु परिवर्तन के अधिक गंभीर प्रभावों से बचने के लिए तापमान बढ़ने की गति को धीमा कर सकें।

सीमित संसाधनों के साथ एक विकासशील देश यह कैसे सुनिश्चित करता है कि वह जलवायु के दबावों वाली दुनियां में अपने लोगों की खुशहाली को खतरे में डाले बिना कैसे उनके विकास का अंतराल दूर कर सकता है और साथ ही भविष्य के अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ईर्ष्या वेव का पारा सातवें आसमां पर!

मानसून की आहट का सुनकर मॉर्निंग वाक के दौरान पंडित सदानंद जी बोले मानसून की किस्म किस्म की वेव आते ही हीट वेव हिट और हूट हो जाएगी। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का आंकड़ा भी वर्षा की फुहार से डिस्कार्ड हो जाएगा। लू के थपेड़े भी मुसला धार बरसात के तेज थप्पड़ों से आगामी गर्मी तक सुप्तावस्था में चले जाएंगे, धूप और बढ़ते तापमान से धधकती धरती भी पानी की बाढ़ से रेलमपेल हो जायेगी और जो हीट वेव, हीट स्ट्रोक, लू विस्फोटक थे वह मानसून के झटको से फोकट माने जाने लगेंगे। जो हिल स्टेशन गर्मी की चपेट से हिल गए थे वह हिल स्टेशन हिल मिल स्वभाव के बन जायेगे। पंडित जी के हीट वेव और मानसून पर कसीदे पढ़ते देख बाबू चाचा बोले सारी वेव यानी लहर थम जाती है, लेकिन तुम्हे पता नहीं ईर्ष्या की हीट वेव अन्य सभी वेव से भारी है। बाकी वेव तो आती जाती रहती है लेकिन ईर्ष्या की हीट वेव अपने आप में न केवल हिट होती है वरन एक बार फिट हो जाने पर सालो साल तपती रहती है।

वे बोले हमारे मोहल्ले के असत राव जी ने जब से सत यानी सत्य से अपने को जुदा किया है वह ईर्ष्या की हीट से झुलसते रहते हैं ।उन्हें किसी का भी अच्छा ,इसलिए अच्छा नहीं लगता है कि वह सामने वाले की प्रगति का कच्चा उतारने पर उतारू रहते है। इस पर मॉर्निंग वाकिये सुनील भैया बोले असत जी की ईर्ष्या जिस तरीके से दिन रात धू धू कर जलती हैं, उस से सामने वाले तक आंच पहुंचे इसके पहले वे पूरे झुलस जाते है।

घुमंतू में शामिल विभिन्न महकमों के कर्मचारियों में शामिल मयंक जी बोले असत जी का ईर्ष्या का बैरोमीटर गर्मी के उछाल मारते पारे से और सेंसेक्स के उछाल से भी ज्यादा जंप मारता है ।उन्हें पता भर चल जाना चाहिए कि फलां साहब, फला नेता, फलां सामाजिक कार्यकर्ता ,फलां व्यवसाई, फला विद्यार्थी, फलां प्रेमी प्रेमिका ,फला रसूखदार आगे बढ़ रहा है, उसे सफलता मिल रही है वह अपनी ईर्ष्या की बत्ती जलाते हैं और उनकी कमियों के अंधेरे को रोशन करने की जुगत में लग जाते हैं और तभी सांस लेते हैं जब उनकी ईर्ष्या के तवे पर ठंडे पानी के छींटे नहीं पड़ते हैं।

वे बोले उन्हें जब पता चलता है कि कोई सरकारी मुलाजिम बहुत आगे बढ़ रहा है फिर क्या था उनका ईर्ष्या का पारा सातवें आसमॉ पर पर चढ़ गया ,वह उन्ही की ईर्ष्या बिरादरी के माननीय के पास पहुंचे और बोले फलां महकमे का मुलाजिम ने आपके इलेक्शन में जो एक्शन किया उससे आप वाकिफ नहीं हो क्या , फिर क्या था असत जी और माननीय दोनों की ईर्ष्या की वेव ने संगत कर ली और मुलाजिम को तबादले की लहर।

राजनीति

नरेंद्र नाहटा

म.प्र. कांग्रेस: चिंता, चिंतन और चेतने का समय

4 जून के परिणामों ने जहाँ कांग्रेस में नई ऊर्जा का संचार किया, वहीं मध्य प्रदेश को आइना दिखा दिया। 1977 जैसे ख़राब वर्ष में भी जब स्वयं प्रधान मंत्री भी चुनाव हार गई थी, संयुक्त मध्य प्रदेश में कांग्रेस एक सीट बचा सकी थी। 2019 में भी कांग्रेस एक सीट पर विजयी रही थी। इस बार का परिणाम पिछले 75 वर्षों का सबसे खराब परिणाम रहा जब कांग्रेस सभी 29 सीट हार गई। उस समय जब कि दूसरे राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन अपेक्षा से बहुत बेहतर रहा।

मध्य प्रदेश के गठन के समय से कांग्रेस पार्टी के प्रादेशिक नेता सदैव बहुत प्रभाव शाली रहे। डॉ. काटजू मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे और प्रधान मंत्री जवाहर लाल नेहरू के अत्यंत निकट तम व्यक्तियों में से रहे. फिर प्रकाश चंद सेठी सदैव केंद्र में महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे और इंदिराजी के विश्वास पात्र रहे। श्यामा चरण शुक्ल, स्वयं मुख्यमंत्री रहे और उनके अनुज विद्या चरण शुक्ल केंद्र में मंत्री रहे। दोनों के गुट रहे। शायद यह प्रभाव ही प्रदेश की राजनीति के लिए अपदान हो गया. इतने बड़े नेताओं के प्रभाव में पार्टी प्रभावशाली गुटों में बंट गई। संगठन कमजोर होता रहा पर विकल्प की अनुपलब्धता और जनता के कांग्रेस के प्रति मोह से सरकार बनती रही। वर्ष 1967 में पहली बार और 1977 में दूसरी बार पार्टी के टूटने के बाद पार्टी की संस्कृति में बड़ा बदलाव आया, आतंरिक प्रजातंत्र समाप्त हो गया। जिलों और उसके नीचे पार्टी के गुटों का संघर्ष और बढ़ा। भाजपा से ज्यादा पार्टी के भीतर अपने ही लोगो से लड़ना प्रमुख उद्देश्य हो गया। लोग खुल कर पार्टी के खिलाफ काम करते रहे परन्तु उन्हें पार्टी के डंडे का कभी भय नहीं रहा। इसके लिये विरोधियों का साथ लेने में कोई परहेज भी नहीं रहा। निचले स्तर के हर नेता पर ऊपर के बड़े नेता का हाथ रहा जो पार्टी में अनुशासन हीनता बढाती रही. 1980 के बाद केंद्र संजय गांधी संगठन संभाल चुके थे और वे पार्टी में अपनी सोच के अनुसार बदलाव ला रहे थे। स्थापित नेताओ को हटा कर उनने अन्य राज्यों की तरह अर्जुन सिंह जी को मध्य प्रदेश का मुख्य मंत्री बनाया। वे केंद्र की राजनीति में प्रभाव शाली भी रहे और प्रदेश से हटने के बाद भी पंजाब के राज्य पाल और केंद्र में मंत्री रहे. उसके बाद मोतीलाल वोरा और दिग्विजय सिंह जी मुख्य मंत्री बने. पार्टी उसी संस्कृति के रास्ते पर आगे बढ़ी. अब नतीजा सबके सामने है।

इन्ही वर्षों में एक बड़ा परिवर्तन यह भी आया कि हर स्तर के चुनाव के प्रति पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का नज़रिए भिन्न रहे। लोक सभा, विधान सभा और स्थानीय संस्थाओ के चुनाव के परिणाम भिन्न होने लगे। यहाँ तक कि नगर पालिका के प्रत्यक्ष चुनाव में अध्यक्ष और पार्षद के चुनाव परिणाम भी भिन्न होने लगे परन्तु कभी किसी ने सुध नहीं ली। नेता कारण जानते हुए भी चुप रहे। प्रदेश के नेताओं की कोशिश केवल विधान सभा जीतना रह गई। मालवा क्षेत्र का उदहारण लीजिये। इंदौर में श्रीमती सुमित्रा महाजन 8 बार, उज्जैन में सत्यनारायण जटिया 5 बार, मंदसौर में डॉक्टर लक्ष्मी नारायण पांडे 8 बार सांसद रहे. मुझे याद नहीं आता कभी प्रदेश कांग्रेस ने इन क्षेत्रो में लोक सभा चुनाव भविष्य में कैसे जीते, इस पर चिंतन किया हो। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की लीडरशिप तैयार करने का बड़ा श्रेय इसी मानसिकता को है।

1989 से लगा कर 1999 तक पांच बार लोक सभा के चुनाव हुए। संयुक्त मध्य प्रदेश की चालीस सीटों में से नौ सीट पर सभी पांच बार हारे। बारह सीट पर पांच में से चार बार हारे। 21 सीट पर हर बार एक नया उम्मीदवार लाया गया। जिसे लड़ाया गया उसे अंतिम क्षणों में कहा गया। स्पष्ट है औपचारिकता पूरी हो रही थी। इन वर्षों में केवल ढाई वर्ष के लिए एक बार सरकार कांग्रेस की नहीं रही। शेष सभी बार कांग्रेस सरकार थी। कांग्रेस केवल छिंदवाड़ा, धार, झाबुआ, और रायगढ़ सभी 5 बार जीती। एक सीट कमल नाथ जी की और चार आदिवासी। श्रेय उम्मीदवार को नहीं आदिवासी मतदाता को था। इन पुराने आंकड़ों का उल्लेख इसलिए कर रहा हूँ कि बीमारी बहुत पुरानी है. यदि बाद के आंकड़ों का उल्लेख करूँगा तो दृश्य इससे भी खराब है। 2024 के चुनाव में एक परिवर्तन यह भी आया कि जिन नेताओं ने प्रदेश की कांग्रेस को पिछले चालीस वर्षों तक चलाया,कार्य शैली और संस्कृति बनाई यह उनका कांग्रेस में अंतिम चुनाव था। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुरेश पचौरी कांग्रेस छोड़ चुके है। दिग्विजय सिंह जी ने घोषणा कर दी कि वे आखिरी बार लड़ रहे है। हालांकि वे अगले 3 वर्षों तक राज्य सभा के सदस्य रहेंगे। कमलनाथ जी ने अपनी सीट अपने बेटे को सौप दी जो उसे बचा नहीं सके। केन्द्रीय स्तर पर इन नेताओं की कांग्रेस को अभी भी आवश्यकता है, परन्तु उचित ही हुआ कि अब प्रदेश में अगली पीढ़ी को प्रभार मिल गया है। जीतू पटवारी और उमंग सिंगार लोक सभा चुनाव के पहले ही क्रमशः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष का प्रभार संभाल चुके थे. अब चुनौती और अवसर दोनों उनकी पीढ़ी के सामने है।

परन्तु कुछ चिंताऐ है। यह पीढ़ी भी पिछले बीस वर्ष से राजनीति में सक्रिय है। इतने वर्षों तक कार्य करने का नतीजा ही है कि पार्टी ने उन्हें यह जवाबदारियां सौपी है। परन्तु वे भी राजनीति के उसी वातावरण में, उसी संस्कृति से, और उसी कार्य शैली में पले बढ़े है जो इन वर्षों में कांग्रेस पार्टी का अपदान बन गई है। इन वर्षों में आतंरिक प्रजातंत्र की समाप्ति, संगठन का सिकुड़ना, गुटबाजी, आम जनता से दूर होना, वैचारिक प्रतिबद्धता से दूरी जैसे अनेक कारण रहे जिनने वर्तमान चुनौतियाँ खड़ी की है। नई पीढ़ी के अनेक नेता भी इन्ही कमजोरियों से ग्रस्त रहे है। दूसरा पुराने नेताओं के पास चालीस वर्ष का इतिहास, उपलब्धियां और कद है। जहाँ पहुंचने में वर्तमान पीढ़ी के नेताओ को समय लगेगा। नए नेतृत्व को वह सब भूलना होगा जो इन वर्षों में उनने भी देखा और सीखा है। समाधान का रास्ता भी तभी निकलेगा।

सबसे बड़ी चुनौती पिछले विधान सभा और लोक सभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी हार ने कार्यकर्ता को पूरी तरह तोड़ दिया है। पार्टी को सोचना होगा, इनका मनोबल कैसे बढे और ये पुनः कैसे सक्रिय हो। यह तभी हो सकता है कि संगठन में उन्हें जीवंतता दिखे, उनमे विश्वास जग सके कि पार्टी को अभी भीअवसर है। पार्टी निचले स्तर पर नया संगठन खड़ा करे। उसमे उद्देश्य और लक्ष्य के प्रति ईमानदारी स्पष्ट हो। इन वर्षों में कांग्रेस का निष्ठावान कार्यकर्ता अधिक निराश हुआ है। उसने भाजपा से भी लड़ाई लड़ी और व्यावसायिक वृत्ति वाले पार्टी जनो से भी। उसका आत्मबल बनाना नए नेतृत्व की जवाबदारी होगी।

इन वर्षों में मध्य प्रदेश कांग्रेस विचार धारा से भी कटी है। विचारधारा के प्रति भ्रम ऊपर से नीचे तक रहा है। नेताओ को जब लगा की धर्मनिरपेक्षता के नाम पर वोट नहीं मिलेंगे, तो उनने भी पार्टी को सॉफ्ट हिंदुत्व की और मोड़ने की कोशिश की। यहाँ तक कि कांग्रेस के पहली और दूसरी पंक्ति के नेता प्रदीप मिश्रा जी कथा करवाने लगे, बागेश्वर धाम की यात्राएं करने लगे। इस प्रयास से कांग्रेस केवल भाजपा की बी टीम ही दिखने लगी। क्या कांग्रेस के नेता मानते है कि बिलपत्र खाने से डायबिटीज ठीक होगी , कथाओं में जाने से चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा पास की जा सकेगी। धर्म के जिस अंधविश्वास को गांधी और नेहरू ने तोड़ने की कोशिश की, उसे ही वोट के चक्कर में कोंग्रेस के नेता आगे बढ़ाने में लग गए। लाभ कितना हुआ, वे ही आकलन करें। इन प्रवृत्तियों से लड़ा जा सकता था। जनता सुनती। परन्तु सॉफ्ट हिंदुत्व का आसान रास्ता ढूंढा गया। इन नेताओं को स्वीकार करना होगा कि यदि 2024 के लोक सभा चुनाव में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन कर पाई तो उसका बड़ा कारण धर्म के नाम पर फैलाई जा रही नफरत और अंध विश्वास से जनता दूर गई। उसका ध्यान उन मुद्दों पर गया जो उसे छूते है। उसके दैनिक जीवन और भविष्य को प्रभावित करते है। नए नेतृत्व की जवाबदारी है कि धर्म के नाम पर फैलाये जा रहे भ्रम से पार्टी को दूर करे, और विचारधारा के प्रति स्पष्टता बनाये। एक स्पष्ट स्टैंड ले और जनता को समझाने के लिए संगठन को तैयार करे। यही नए युवा को भी प्रभावित करेगा।

अब कांग्रेस को अपनी कार्य शैली और आचरण से प्रयास करना होंगे कि कार्यकर्ता नेताओं के घर के बाहर से निकल कर पोलिंग बूथ पर जाए। बूथ और निचले स्तर पर उसके किये काम और मेहनत ही उसके राजनैतिक भविष्य को तय करे।

अधिकारों का विकेन्द्रीकरण कीजिये। जिलों को निर्णय लेने के अधिकार दीजिये और उनके प्रति उत्तरदायी भी बनाइये। बड़े नेता समझे कि उनकी जवाबदारी केवल लोक सभा और विधान सभा ही नहीं स्थानीय चुनाव भी है। नेतृत्व यहाँ ढलता है। स्थानीय संस्थाओं के पिछले वर्षों के आंकड़े जुटाए और रणनीति बनाये। पार्टी के प्रकोष्ठ और विभाग कितने गंभीर है यहाँ लिखने की आवश्यकता नहीं है।उन्हें समझाए कि उनका उत्तरदायित्व उन नेताओं के प्रति नहीं, जिनने उन्हें बनाया है, पार्टी के प्रति है। उनके लिए कार्यक्रम और लक्ष्य निर्धारित करिये। कांग्रेस के युवा नेतृत्व से अपेक्षा है कि तकनीक का बेहतर इस्तेमाल हो सके. जिला स्तर पर सोशल मीडिया जनता तक नहीं पहुँच सका। जिला और ब्लॉक स्तर पर तकनीक का उपयोग अभी नहीं के बराबर है। डाटा प्रबंधन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहाँ भारतीय जनता पार्टी ने बेहतर कार्य किया है.

इस तथ्य को भी समझे कि यदि 'आप' पार्टी युवाओं को अपने गठन के 6 माह के भीतर आकर्षित कर सकती है तो इसे कांग्रेस भी कर सकती है। समाधान कम उम्र के युवको पर पद देने मात्र से नहीं, विचारधारा के फर्क को स्पष्ट करने और नए युवा को समझाने में है। नई पीढ़ी को यह भी समझना होगा कि जहां पिछली पीढ़ी को विरासत में स्वतन्त्रता संग्राम में तपा नेतृत्व, संस्कृति और जनता का विश्वास विरासत में मिला था, वही इस बार बिखरा हुआ संगठन, कमजोर नेतृत्व, निष्ठा रहित कार्यकर्ताओ का एक बड़ा वर्ग, अत्यंत मजबूत विपक्ष और जनता का हिंदुत्व के प्रति मोह और भ्रम विरासत में मिला है।

यही उनकी चुनौती को और बड़ा बनाता है। अब ज्यादा अवसर भी नहीं बचे है.नरेंद्र मोदी हार कर चुप नहीं हो जाएंगे। यह भी मत भूलिए कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने प्रभावशाली नेताओं की एक बड़ी टीम खड़ी करली है। इन नेताओं की बदौलत ही है कि देश में हारने वाली पार्टी का मध्य प्रदेश में प्रदर्शन भिन्न रहा। 1984 में मात्र 2 सीट प्राप्त कर, चुनौती का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर भाजपा यहाँ तक पहुंची है। कांग्रेस भी कर सकती है यदि वह सत्ता के सालों में विकसित हुई सामंती संस्कृति और शैली से बाहर निकले। इसीलिए यह चेतने का समय है।

पहल

अमित राव पवार

लेखक स्तंभकार हैं।

वर्षा के जल को सहेजें और कल को संवारें

जीवन में प्रकृति-पर्यावरण ने हमें बहुत कुछ दिया है,तथा बदले में प्रकृति हमसे थोड़ी-सी कुछ अपेक्षा रखती है। उसमें भी हम मनुष्य शायद खरा नहीं उतर पा रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के साथ तालमेल रखते हुए समय- समय पर इसका ध्यान रखा। इसके लिए हम सदैव उनके ऋणी रहेंगे।अब कुछ आधुनिकता के चलते हम अपनी संस्कृति, परंपराओं तथा प्रकृति को अनदेखा करते जा रहे हैं,जिसका परिणाम हम सबको समय-समय पर दिखाई पड़ता है। ग्लोबल वार्मिंग,जल का स्रोत निम्न स्तर पर जाना,गर्मी में अधिक तापमान इत्यादि कारण जो हमें सामने दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात जल बचाने की है। जन्म से ही मनुष्य अपने आप को बहुत चालाक, चतुर और समझदार समझता था, हर जगह मानो उसकी हुकूमत हो,किंतु प्रकृति इस मनुष्य से भी कई अधिक चतुर,चालाक और समझदार निकली जिसने दो महत्वपूर्ण काम वायु-जल अपने हाथों में ही रखें। और यह दोनों ही चीज मनुष्य कभी निर्माण (काल्पनिक हो सकती है) नहीं कर सकता,इन दोनों के लिए मनुष्य को प्रकृति के साथ रहकर ही कार्य करना पड़ेगा! अधिक पेड़ लगाने होंगे तथा वर्षा का पानी सहजना होगा जिससे जल के स्तर को बढ़ाया जा सके अन्यथा हालात अभी आरंभ ही हुए हैं, नहीं तो जल और वायु से होने वाले दुष्परिणाम ,संकट की हम कल्पना भी नहीं कर सकते।

अभी हाल ही में गर्मी ने अपना रुद्र तापमान रूप दिखाया जिससे हाहाकार मच गई, विचार करे पानी का पर्याप्त मात्रा में न मिल पाना इससे भी अधिक खतरनाक समस्या साबित हो सकती है। हम जल को सहज सकते हैं, इसको बनाया या निर्माण नहीं कर सकते,इसलिए वर्षाकाल में हम सब मिलकर प्रयास करें जल को संवारने की, इसे सहेजने की,भूमि के जल स्तर बढ़ाने की,और अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा उसे सुरक्षित रखते हुए पौधे से पेड़ बनने तक रखरखाव की

जिम्मेदारी ले। तभी हम आने वाली पीढ़ी को कुछ देखकर जा पाएंगे।अन्यथा आज जो हम वायु-जल उपयोग कर रहे हैं,यह तो हमें हमारे पूर्वजों के कारण मिला है। हमारा इस प्रकति- पर्यावरण में अब तक कोई योगदान नहीं है, इसलिए आओ जल को बचाएं व पेड़ लगाए हमारी छतों से हर वर्ष लाखों- करोड़ों लीटर पानी बह जाता है, इस बहते पानी को हम सहज सकते हैं दो या तीन तरह से,छत पर आने वाले वर्षा जल को एक फिल्टर के माध्यम से सीधे नलकूप में उतारकर,रूफ हावेस्टिंग सिस्टम, सोकपिट बनाकर,अन्य किसी विधि द्वारा। आसानी पूर्वक जैसा हम कर सकते,जिससे जल बहकर न जाते हुए भूमि के अंदर जाए जिससे जल के स्तर को बढ़ाया जा सके।

दुनिया के हर जीव को जीने के लिए जल की आवश्यकता होती है।अध्ययन के मुताबिक मनुष्य पांच दिन बिना कुछ खाए रह सकता है। किंतु बिना पानी के एक दिन भी नहीं।आज भी अनेक देश और राज्य ऐसे हैं जो पानी के संकट से जूझ रहे हैं जल की खपत लगातार जनसंख्या वृद्धि के कारण बढ़ती जा रही है,वहीं इसकी उपलब्धता में कमी दिखाई पड़ती है।पानी की कमी को पूरा करने के लिए सकारात्मक तथा प्रभावी कदम अपनाने ही होंगे। यदि हम निष्कर्ष निकाले तो बिना जल के जीवन की कल्पना करना व्यर्थ है। पेड़-पौधों को भी जल की उतनी ही आवश्यकता होती जितनी मनुष्य को होती है।जल के बिना कोई भी पेड़-पौधें विकसित नहीं हो सकते और मनुष्य को जीवित रहने के लिए पेड़-पौधों का जीवित रहना आवश्यक है।अतः वर्षा के जल को सहजे,आओ कल को सँवारे।

शासन-प्रशासन सरकारें सब अपना काम कर रहे है,लेकिन प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है,कि वह जल का अपव्यय न करे इसे सहज कर रहे। कोई भी सरकार आ जाए कितने ही कानून बन जाए पर हम जल को उत्पन्न नही कर सकते है। वर्षा और पेड़ो से ही भूमि के जल के स्तर को बढ़ाया जा सकता है।

आज देश के कितने ही नगरों में जल को लेकर हाहाकार मचा हुआ है, विकास के नाम पर सीमेंट का झाल छा रहा है दूर-दूर तक पेड़-पौधों का नाम तक नही,जल होगा तो सप्लाय होगा या जल की व्यवस्था होगी तभी शासन-प्रशासन सरकारें कुछ कर पाएगी,अन्यथा हम कितने ही आंदोलन करे कितने ही ज्ञापन दे कोई फर्क नही पड़ने वाला हम भूमि से जल निकाल ही रहे है उसे दे कुछ नही रहे।नदिया सिकुड़ रही,तालाब सूख रहें, बावड़ियां अब पोस्टरों पर दिखाई देती है। इसलिए अभी समय रहते हम सबको संभलना होना अन्यथा आने वाले समय में जल के लिए भीषण लड़ाइयां और युद्ध तय है।

प्रकृति

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

गूलर कहता है कि संसार में अपना श्रेष्ठतम दो

पुराने घर, पुरानी जगहों पर, किसी मंदिर, किसी स्कूल या कॉलेज और ऐसे ही सार्वजनिक स्थानों पर गूलर अघा कर फलता है। गूलर की प्रकृति ही सार्वजनिक है वह अकेले में या निर्जन में होते हुए भी अन्य के लिए ही फलता है इसीलिए इतना ज्यादा फलता है कि आप बाहें फैला कर बटोरें गूलर को कोई फर्क नहीं पड़ता। गूलर भीषण गर्मी में कच्च हरा होकर फल रहा होता है । असंख्य फलों से लदा गूलर इस तरह होता है कि आप इसे देखें या न देखें पर गूलर देखने को वाध्य कर देता है। यह गूलर सन्नाटे की धुन को ही अपने भीतर बसा कर रखता है इसे किसी की परवाह नहीं होती। कोई पास आता है तो ठीक नहीं आता तो कोई बात नहीं। यह हर स्थिति में बना रहना जानता है। चुप्पी में भी बोलता रहता है। इसकी उपस्थिति बनी रहती है। भयानक शोर में भी अपने रूप से खींच लेता है। साहित्य में, संस्कृति में और जीवन के किसी न किसी कोने में गूलर का अस्तित्व बना ही रहता है। यह बात अलग है कि कोई इसे स्वीकार करें या न करें पर गूलर कहता है संसार से कि अपना श्रेष्ठतम दो, जो कुछ दे सकते हो वह दो, यह मानव जीवन व्यर्थ की बातों में गंवाने के लिए नहीं मिला है बल्कि सार्थक सृजन करने के लिए, जीवन के संदर्भ में सही संवाद करते रहने के लिए यह जीवन मिला है । गूलर हो जाना यानी अपना सब कुछ दे देना, बिना कुछ जताये ही कार्य करते जाना, इतना कुछ गूलर के बहाने से इस संसार पर, मानवीय जीवन पर बातचीत करने के लिए है कि आप करते जाइए और यह बातचीत कभी खत्म ही नहीं होती । औदुम्बर या गूलर वट कुल से आता है और अघा कर इतना फलता है कि बस इसे देखते रहें। यह तने से ही फलने लगता है और इतना फलता है कि खाने वाले भी अघा जाते पर यह रुकता ही नहीं फलता ही जाता। तने से फलने वाले पेड़ सहज ही ध्यान खींच लेते हैं। गूलर फलते हुए इतना अघा जाता है कि बहुत दूर तक उसकी शाखाएं फैल जाती हैं । वह इस तरह उपर उठता है कि आसमान को ही जैसे पकड़ने चला हो। औदुम्बर अपने विस्तार में सभी को जैसे पीछे छोड़ देना चाहता हो और ऐसा फलदार कि वह किसी को भी अपने आसपास भुखा नहीं रहने देना चाहता । तने से लेकर पुतली तक फल जाता और इतना कि कितना भी ले लें कोई कमी नहीं आने वाली है । गूलर पर फल तो दिखता है पर गूलर का फूल कहां छिपा होता आज तक दिखा नहीं पर आता तो होगा। औदुम्बर का प्रयोग मुक्तिबोध की कविताओं में भी खूब मिलता है । भयानक बिम्ब को रचने के लिए गूलर और वरगद उनके यहां पूरे परिवेश को व्यक्त करने के लिए आते हैं । गूलर से दूध और फल दोनों ही प्राप्त होता । गूलर की सब्जी भी बहुत स्वादिष्ट बनती है । फलदार पेड़ हमेशा से ध्यान खींचते रहते हैं । वैसे पेड़ का काम ही फलना और देना है । उसके नीचे अनगिनत लोग पलते हैं । वह जंगल में हो या आसपास में हमेशा से अपने दाय से चकित करता रहा है ....

गूलर को जहां भी देखता हूं वहां गूलर इसी तरह फला हुआ, लदा हुआ दिखता है । गूलर इतना फलता है कि देखकर ही मन अघा जाता है और फलदार इतना कि पेड़ के भरोसे जिंदा रहने वाले जीव का यह आधार ही बन जाता है । पिछली पीढ़ी और उससे पहले की पीढ़ियों ने अपने आसपास सुविधा की फिसलपट्टी इकठ्ठा न कर जीवन की आधार भूमि इकठ्ठा करते चली ताकि हर विपरीत स्थिति में जीवन के समर को आसानी से लड़ा जा सके । आम, महुआ, जामुन, बड़हल, शीशम गूलर, पाकड़, पीपल, इमली , वरगद इन्हीं के पेड़ बहुतायत से गांव शहर में दिखते थे... इनके सहारे गर्मी से लेकर हर मौसम में जीव अपने आसपास आनंद की दुनिया जतन कर लेता था । अब इनके दर्शन कम होते जा रहे हैं और उसी मात्रा में हमारे सामने संकट भी खड़ा

होता जा रहा है । खैर इन स्थितियों से निकलने की दुनिया और सोच भी किसी और के पास न होकर मनुष्य के पास ही है ।

फलदार पेड़ बहुत बड़ी सीख दे जाते हैं । कहते हैं कि अपने होने को, अपने अस्तित्व को परिभाषित करते चलों अपनी कहानी बनों अपने भीतर ऐसा कुछ करते चलों कि लोग-बाग सुनते सुनाते जीवन की गाथा गाते चलें। पेड़ हो जाना जीवन की सार्थकता का भी अनुभव करना है । कितना कुछ दाय है कितना कुछ दिया जाना है और इस दाय में अपने अर्थ को परिभाषित करना ही मनुष्यता की कसौटी पर आना होता है । मनुष्य को जीवन की कहानी कहते हुए बहुत सारी परीक्षाओं से गुजरना होता है यदि आप परीक्षा के लिए तैयार नहीं होते तो जीवन को कहां जी पाते...जीवन किसी का भी निरापद नहीं होता, बहुत सारे प्रश्नों से घिरा होता है संसार और जीवन । मनुष्य बार बार प्रकृति को अपने आसपास देखते हुए भी प्रकृति को जीवन के संदर्भ में उतारता नहीं बल्कि बहुत दूर भागता रहता है।

यह बात बहुत दूर तक सही है कि आप प्रकृति के करीब जाकर न केवल अपने बल्कि संसार के जीवन को सहज बनाने का काम करते हैं। हम सब जितना अधिक प्रकृति के करीब जाते हैं उतना ही हमारा जीवन सहज होता है । जीवन को समझने के लिए कहीं बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है बल्कि अपने आसपास को खुली आंखों से देखने की जरूरत है। इस संसार को जानने समझने के लिए लगातार आसपास की प्रकृति को जानने समझने और बचाने की जरूरत को जब महसूस करते हैं तब वास्तव में हम संसार के लिए कार्य करते हैं।

उप चुनाव की घोषणा, सुखदेव को अमरवाड़ा विधानसभा प्रभारी बनाया

10 जुलाई को मतदान और 13 को होगी मतगणना

बैतूल। उपचुनाव की हुई घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू करदी है। छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधान सभा मे उप चुनाव होने है। कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी मुकेश नायक ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधान सभा मे चुनाव आयोग ने मतदान ओर मत गणना की तारीखों का ऐलान कर दिया है जिसमे 10 जुलाई को मतदान होना है 13 जुलाई को मतगणना होगी ।श्री नायक ने बताया अमरवाड़ा विधानसभा सीट के लिए दो प्रभारी बनाये गए है जिसमे कांग्रेस के पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, कांग्रेस के पूर्व विधायक सुनील जैसवाल को चुनाव प्रभारी बनाया गया है।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 12 जून को मुलताई दौरे पर

बैतूल। कैप्टन (आई.एन.) सुमित सिंह (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 12 जून 2024 को मुलताई दौरे पर रहेगे। इस दौरान श्री सिंह दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक जनपद पंचायत मुलताई के सभाकक्ष में भूतपूर्व सैनिकों, दिवंगत सैनिकों की पत्नियों की समस्याओं को सुनेंगे। उन्होंने मुलताई में निवासरत सभी भूतपूर्व सैनिकों एवं शहीद सैनिकों की पत्नियों से यथा समय उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

टीना डॉक्टर बनकर गरीब पीड़ितों की सेवा करेंगी

बैतूल। टीना बेले एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखती है लेकिन नीट एग्जाम क्वालिफाइड कर लिया है। अब डॉक्टर बनने जा रही है । वे कहती है कि डॉक्टर बनकर गरीब पीड़ित लोगों की सेवा करेगी। कहते हैं जुनून हो और लगन हो तो कामयाबी कदम चूमती है। कुछ इसी तरह के हैं टीना बेले जिन्होंने हाल ही में नीट एग्जाम में 720 मे 526 अंक प्राप्त कर नीट क्वालिफाइड हो गई है। बैतूल जिले की ग्राम केरपानी के एक गरीब परिवार मंदा बेल और राजू बेल की बेटी टीना बेल शुरू से मेधावी रही है। उन्होंने 10जी क्लास तक बैतूल के उत्कृष्ट विद्यालय में अध्ययन करने के बाद 11जी और 12जी भोपाल के सुभाष उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय में पढ़ाई की। इसके बाद 1 वर्ष तक नागपुर में रहकर नीट की तैयारी की थी। अब उनका डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए सलेक्शन हो गया है। टीना की इस उपलब्धि पर माता-पिता बेहद गौरांवित हैं वहीं परिजनों और उनके शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है साथ ही उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

कलेक्ट्रेट में शुरू हुई जनसुनवाई

151 प्रकरणों पर कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर्स ने की जनसुनवाई

बैतूल। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के बाद जनसुनवाई भी बंद हो गई थी। आचार संहिता हटने के बाद और सरकार के गठन होने के पश्चात आज मंगलवार से जनसुनवाई शुरू हो गई है। जनसुनवाई के पहले दिन कलेक्ट्रेट में बड़ी संख्या में अपनी शिकायतों का निराकरण करने के लिए लोग पहुंचे। जनसुनवाई में कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी, अपर कलेक्टर अक्षत जैन, एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, एसडीएम राजीव कहार ने आवेदन लेकर उनकी समस्याएं सुनी और निराकरण के आदेश दिए। लोकसभा निर्वाचन के लिए लागू आचार संहिता की अवधि समाप्त होने के बाद प्रथम मंगलवार को 45 दिनों के लंबे अंतराल के बाद जनसुनवाई का आयोजन किया गया। मंगलवार को 151 प्रकरणों पर अधिकारियों ने संवेदनशीलता के साथ सुनवाई की।

बगीचे की जमीन का किया सौदा-नायरा पेट्रोल पंप के पीछे स्थित भारतीय कॉलोनी के निवासियों ने एक सामूहिक आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई कि कॉलोनाइजर द्वारा कॉलोनी के नक्शे में स्थित नाले के किनारे बगीचे की जमीन पर प्लाट काटकर प्लाटों का विक्रय कर दिया गया है। बगीचे में ही स्थित मंदिर से लगे हुए प्लाट की फेंसिंग करके बेचने की तैयारी में है, जिससे नाले किनारे ग्रीन बेल्ट की जमीन पर नियमों के विपरीत प्लाटिंग करने से कॉलोनी के बुजुर्ग एवं बच्चों के लिए पार्क की सुविधा कम हो जाएगी। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा एसडीएम बैतूल श्री राजीव कहार को संबंधित को नोटिस भेजने के लिए निर्देशित किया गया।

मेड़ के पोल चोरी-द्वारका नगर बडोरा निवासी उर्मिला बाई पति गेंदलाल द्वारा अम्बेडकर वार्ड बैतूल निवासी अमरलाल पिता दशरथ द्वारा ग्राम पांडुर्ना स्थित कृषि भूमि की मेढ़ पर लगे सीमेंट के खम्बे चोरी करने की थाना में भी शिकायत दर्ज कराई है। कलेक्टर द्वारा तहसीलदार भैंसदेही को निर्देशित किया कि आवेदक को कब्जा दिलाए और कब्जा नहीं दिलाते है तो एसडीएम को न्यायालयीन कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन भेजे।

मछली पालन का ठेका-घोड़ाडोंगरी विकासखंड के ग्राम खापा पोस्ट धापड़ा निवासी रामती पति संतोष उईके ने जनुनवाई में आवेदन के माध्यम से अमृत सरोवर में मछली पालन का ठेका दिलवाए जाने की गुहार लगाई है। आवेदन के माध्यम से बताया कि उनके पास वर्षों पुरानी काबिज शासकीय भूमि है, जिस पर वह खेती कार्य करते है। उक्त शासकीय भूमि पर अमृत सरोवर बनाने के लिए किसी प्रकार का कोई मुआवजा दिए बिना भूमि अधिग्रहित कर ली गई, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। आवेदन के माध्यम से अमृत सरोवर में मछली पालन का ठेका दिलाए जाने की मांग की है। कलेक्टर ने घोड़ाडोंगरी सीईओ को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

आवासीय पट्टा देने की मांग-बैतूल के दुर्गा वार्ड निवासी जमुना विश्वकर्मा ने शासकीय भूमि पर आवासीय पट्टा दिए जाने की मांग की है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने बताया कि 12 से 15 वर्षों से दुर्गा वार्ड-3 में सरकारी भूमि पर झोपड़ी बनाकर रह रहे है।
धारणाधिकार योजना के तहत पूर्व में आवेदन भी किए, लेकिन उक्त भूमि छोटे बड़े मद की होने व बैलगाड़ी प्रोजेक्ट की होना बताकर आवेदन निरस्त कर दिया गया। जबकि कुछ पड़ोसियों को वर्ष- 2013 में पट्टे भी प्रदाय कर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी दिया जा चुका है। कलेक्टर ने तहसीलदार बैतूल को नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए है।

हाईवे पर कंटेनर में घुसी बाइक, एक की मौत, दो घायल

बैतूल। भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे के बायपास मार्ग पर सोमवार की शाम एक बड़ा हादसा हो गया। यहां ग्राम पारेगांव वलनी पुलिया के पास रांग साइड से जा रही बाइक विपरीत दिशा से आ रहे कंटेनर में जा घुसी। इस दुर्घटना में बाइक सवार युवक की जिला अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार दो लोगों को हल्की चोट आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम में ग्राम परमंडल निवासी श्याम किराड़ 20 साल बाइक पर सवार होकर अन्य दो लोगों के साथ फोरलेन के बायपास मार्ग पर रांग साइड से जा रहा था। मार्ग पर ग्राम पारेगांव वलनी की पुलिया के पास बाइक नागपुर से बैतूल की ओर जा रहे कंटेनर की चपेट में आ गई। दुर्घटना में श्याम गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटनास्थल से घायल श्याम को निजी एंबुलेंस से नगर के निजी अस्पताल लाया। जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद श्याम की हालत गंभीर होने से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दुर्गादास उईके ने संभाला कार्यभार,जनजातीय कार्य मंत्रालय पहुंचकर लिया पदभार

बैतूल। केंद्रीय जनजातीय कार्य विभाग राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने मंगलवार 11 जून को मंत्रालय का कार्यभार संभाला लिया है। आज वे निर्माण भवन स्थित कार्यालय जनजातीय कार्य मंत्रालय के कार्यालय पहुंचे, जहां अधिकारियों-कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने सर्वप्रथम भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना की और उसके बाद विधिवत कार्यभार सम्भाला। गौरतलब है कि श्री उईके को जनजातीय कार्य मंत्रालय की जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसमें आदिवासियों के विकास के लिए देश में चलाई जाने वाली कई योजनाएं हैं, जिसके माध्यम से आदिवासियों का संपूर्ण विकास हो सके। उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। इसी को लेकर देश में कई छात्रावास, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। जिससे अब बैतूल जिले के आदिवासियों का बेहतर विकास हो सकेगा। पदभार ग्रहण करने के दौरान बैतूल से दिल्ली गए भाजपा जिला महामंत्री सुधाकर पवार, जिला मंत्री अतीत पवार, भाजपा जिला सहकोषाध्यक्ष दीपक सलूजा और भाजपा नेता सतीश बड़ोनिया ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

बैतूल शहर जोन-1 का आज का विद्युत कटौती शेड्यूल

बैतूल। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-1 द्वारा 12 जून 2024 को रामनगर के 11 केवी फीडर का मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। मेंटेनेंस कार्य के चलते बुधवार को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक गर्ग कॉलोनी, अचलपुर नाका, पटवारी कॉलोनी, जय प्रकाश वार्ड, खखरा जामठी, रामनगर आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-1 के प्रबंधक योगेश मालवीय ने बताया कि 13 जून को सोनाघाटी के 11 केवी फीडर में मेंटेनेंस कार्य किया जाना है।

नए विधिक कानूनों के विरोध में अधिवक्ताओं ने किया चक्काजाम

एक घंटे तक थमे रहे बसों के पहिए, जिला अधिवक्ता संघ ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बैतूल। जिला अधिवक्ता संघ ने केंद्र सरकार द्वारा एक जुलाई 2024 से लागू किए जा रहे तीन नए विधिक कानूनों के विरोध में मंगलवार 11 जून को जिला अधिवक्ता संघ बैतूल के अध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में बस स्टैंड चौक कोठी बाजार पर चक्का जाम किया। अधिवक्ता संघ के सहसचिव कलश कुमार दीक्षित ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के लागू होने से अधिवक्ताओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि इन नए कानूनों में धारा और परिभाषाओं में किए गए बदलावों के कारण अधिवक्ताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान में एलएलबी के छात्रों को भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता, और साक्ष्य अधिनियम पढ़ाया जाता है। नए कानूनों के लागू होने से इन छात्रों और अधिवक्ताओं को अपनी शिक्षा और प्रैक्टिस में बदलाव लाना पड़ेगा, जो उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान, करीब एक घंटे तक बसों का पहिया थमा रहा। बस ड्राइवरों ने भी इस चक्का जाम में अपना सहयोग दिया। अधिवक्ता संघ ने जिला कलेक्टर बैतूल के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें इन तीनों विधिक कानूनों को लागू करने के संबंध में पुनर्विचार की मांग की गई। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गण, पक्षकार सहित एलएलबी के छात्र उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर सरकार के निर्णय का विरोध किया और अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। अधिवक्ता संघ ने सरकार से पुनर्विचार की मांग की है ताकि उनके और एलएलबी छात्रों के हितों की रक्षा हो सके।

प्रदेश शासन ने किया नपा. अधिकारी इवनाती को पदोन्नत

नगर पालिका कर्मचारियों ने किया सम्मान,क्लास वन अधिकारी होंगे आर. इवनाती

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर पालिका में पदस्थ मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजकुमार इवनाती को नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा क्लास 2 से क्लास 1 के लिए पदोन्नति कर दिया गया है। अब आरके इवनाती संयुक्त संचालक के रूप में नगरीय प्रशासन में अपनी सेवाएं देंगे । पद उन्नति संबंधित आदेश की कापी मुलताई नगर पालिका को प्राप्त हो गई है जिसके तहत मध्य प्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उप सचिव आरके कार्तिकेय ने पत्र के माध्यम से इस पदोन्नति की जानकारी दी है । जिसमें कहा गया है कि विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा की गई अनुशंसा के परिपेक्ष में राजकुमार इवनाती को मुख्य नगरपालिका अधिकारी (ख)श्रेणी को मुख्य नगरपालिका अधिकारी (क) श्रेणी के पद पर पदोन्नति करता है।इस संवर्ग के लिए विभाग द्वारा संधारित आरक्षण रोस्टर के अनुसार उक्त पदोन्नति की प्रविष्टि रोस्टर पंजी में कर दी गई है। प्रमोशन की जानकारी के बाद संपूर्ण नगर पालिका में उत्साह का माहौल है।

इस अवसर पर नगर पालिका कर्मचारियों ने नगर पालिका कार्यालय में उनका सम्मान कर उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किया और मिष्ठान खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया । इस अवसर पर आर के युवनाती ने कहा कि मां ताप्ती की नगरी मुलताई में आकर मुझे सब कुछ मिला है। 2015 के आधार पर पदोन्नति मिली है साथ ही मुलताई नगर पालिका में सभी कर्मचारियों का एक परिवार जैसा माहौल मिला है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। नगर पालिका राजस्व निरीक्षक जी आर देशमुख ने इस अवसर पर कहा की इवनती जी ने नगर पालिका का पदभार विपरीत परिस्थितियों में संभाला था किंतु अपने सरल सहज व्यवहार एवं कार्य के प्रति गंभीरता से मुलताई नगर पालिका के कार्य प्रणाली में जो सुधार किए हैं इसके परिणाम लंबे समय तक दिखाई देंगे विशेष तौर से नगरपालिका के कर्मचारियों के प्रति उनके सहयोग की भावना ने भी नगर विकास का एक नया आयाम बनाया। इस अवसर पर नगर पालिका जी आर देशमुख ,संतोष शिवहरे, अमर लाल कवड़े, भागचंद अहिरवार, वीरेंद्र पवार, पिपले, श्याम सेवतकर सहित बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी एवं सभी नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित थे।

दोपहर 12 बजे मोडीढाना में हिली धरती, भूगर्भीय हलचल से घबराए ग्रामीण घरों से निकले बाहर

कई मकानों की दीवारों में आई दरार, सीमेंट शीट सरकी, खेड़ी में भी हुआ असर, ग्रामीण कर रहे जांच की मांग

बैतूल। विकासखंड बैतूल की ग्राम पंचायत सराड के लगभग बीस मकानों वाले मोडीढाना के लोग आज दोपहर उस समय भयभीत हो गए जब कुछ सेकेंड के लिए यहां धरती डोलने लगी और लोग भयभीत होकर अपने घरों से बाहर निकल आए। ग्राम के अशोक यादव, परशुराम यादव, सुंदर यादव सहित महिलाओं ने आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया की साढ़े बारह बजे जब वे अपने घरों में आराम कर रहे थे की अचानक भूगर्भीय हलचल हुई और धरती मकान सहित हिलने लगी। सभी लोग शोर मचाते हूए घरों से बाहर निकल आए इस वजह से कई मकानों में दरार पड़ गई वही मकानों पर डाली गई सीमेंट की सीट भी सरक गई ग्रामीणों ने बताया यह सब किस वजह से हो रहा उनके समझ से परे है। ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन से इस मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की है इधर खेड़ी के समीप भी यह कंपन होने की चर्चाएं हो रही है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से विद्यार्थियों का कर रहे भविष्य निर्माण : ऋतु खंडेलवाल

धूमधाम से मनाया आरडी पब्लिक स्कूल का स्थापना दिवस

17 वर्षों में 3 हजार से अधिक विद्यार्थी 12वीं कक्षा में हुए उत्तीर्ण

बैतूल। उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान के रूप में स्थापित हो चुके आरडी पब्लिक स्कूल की स्थापना के 17 वर्ष पूर्ण होने पर 10 जून को 18वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्कूल प्रबंधन के साथ शिक्षकों, प्रशासनिक स्टाफ, पालको सहित हितधारकों के सहयोग और समन्वित प्रयासों से हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से विद्यार्थियों का भविष्य निर्माण कर रहे है। उन्होने कहा कि आरडी शैक्षणिक संस्थान के 17 वर्षों के गौरवशाली सफर के दौरान कई दुविधाएं और चुनौतियां भी सामने आयी। लेकिन सभी के सहयोग से चुनौतियों का सामना करते हुए इस संस्था ने बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देकर उनके चहुमुँखी विकास के साथ भविष्य संवारने के लक्ष्य को हासिल किया। 18वें स्थापना दिवस के अवसर पर डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल ने शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यो के लिए स्कूल के शिक्षकों, प्रशासनिक स्टाफ सहित सभी कर्मचारियों को बधाई देकर उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। उपलब्धियों से भरी इस यात्रा की सफलता के लिए डायरेक्टर ने छात्र-छात्राओं, पालको सहित समुदाय के लोगों के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की।

शिक्षा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान करेगें स्थापित-डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खंडेलवाल ने कहा कि 18 वॉ स्थापना दिवस इस संस्थान की सफलता और लक्ष्य हासिल करने में कामयाबी का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव के नगर आगमन की तैयारियां जोरों पर

मंच निर्माण प्रारंभ, नपा डालेगी घर-घर पीले चावल

बैतूल/मुलताई। नमामि गंगे प्रोजेक्ट को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव के शुक्रवार 14 मई को प्रस्तावित मुलताई नगर आगमन की तैयारियां तेज हो गई है। उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पर मंच का निर्माण प्रारंभ हो गया है। इसके साथ ही नगर पालिका ने भी मुख्यमंत्री के नगर आगमन को लेकर अपनी तैयारी तेज कर दी है। कर्मचारियों को कार्यक्रम की सूचना घर-घर पहुंचने के लिए आदेश जारी कर दिए हैं।

सीएम के आगमन की सूचना को लेकर जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड में है। कलेक्टर ने भी मुलताई आकर प्रस्तावित सभा स्थल उत्कृष्ट विद्यालय, मिनी स्टेडियम एवं ताप्ती मंदिर परिसर सहित हेलीपैड स्थल का निरीक्षण कर लिया है। हालांकि अब तक प्रशासनिक स्तर पर इस दौरे की आधिकारिक पुष्टी नहीं हुई है जो कि 12 जून तक तक हो जाने की संभावना है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेलीपैड से आकर ताप्ती मंदिर में मां ताप्ती की पूजा अर्चना करेंगे, इसके उपरांत नगर में रथयात्रा के माध्यम से भ्रमण कर मिनी स्टेडियम में आमसभा को संबोधित करेंगे।

नपा हर घर में पीले चावल दाल देगी, कार्यक्रम में आने का निमंत्रण-मुलताई नगर पालिका ने प्रस्तावित मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर नगर पालिका के कर्मचारियों की तैनाती कर दी है।

कार्यक्रम को लेकर आदेश भी जारी किए हैं जिसके तहत नगर पालिका कर्मचारी हर घर में पीले चावल दाल नागरिकों को कार्यक्रम में आने का निमंत्रण देंगे ।हर घर में कलश यात्रा हेतु कलश की तैयारी कर सूची बनाने का कार्य करेंगे एवं कलश यात्रा में समस्त वार्ड की महिलाएं एवं बालिकाओं को कलश लेकर रैली के माध्यम से 14 जून को सुबह 10 बजे तक कृषि उपज मंडी में आने का कहा गया है।

वार्ड दल का समूह एवं विषयों की तैयारी करने के लिए 15 से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री के रूप में सावित्री ठाकुर ने दिल्ली में पदभार ग्रहण किया

सावित्री ठाकुर के पदभार ग्रहण करते ही धार ने केंद्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

धार। मंगलवार का दिन धार- महू संसदीय क्षेत्रवासियों के लिए मंगलमय सिध्द हुआ। क्षेत्र की नवनिर्वाचित सांसद सावित्री ठाकुर के केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करते ही धार ने केंद्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की उपस्थिति में लोकसभा सांसद व केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने अपना पदभार ग्रहण किया।

जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार, लोकसभा सांसद हिमाद्री सिंह, धार जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी, लोकसभा विस्तारक ओमप्रकाश दय्या, किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, उमेश गुप्ता, श्याम नायक, नवीन बानिया, संजय वैष्णव, प्रकाश धाकड़, मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर और मदन चोयल, पिंटू जायसवाल ,सचिन पांडे, दिनेश शर्मा, महिला मोर्चा जिला महामंत्री सुनीता दुबे,सोनाली श्रीवास्तव मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मोदी की आकांक्षा के अनुरूप देश में महिला सशक्तिकरण और अधिक उपलब्धि प्राप्त करेंगी : सावित्री ठाकुर

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालते हुए उत्साह और गौरव की अनुभूति कर रही हूं। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने महिला सशक्तिकरण और बचपन के संरक्षण - संवर्द्धन के स्मरणीय दौर का साक्षात्कार किया है। मेरा प्रयास होगा कि प्रधानमंत्री की आकांक्षा के अनुरूप देश में महिला सशक्तिकरण ओर अधिक उपलब्धि प्राप्त करे।

शहर में विकास कार्यों एवं साफ-सफाई व्यवस्थाओं को लेकर विधायक ने की समीक्षा

देवास। लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता समाप्त होने के पश्चात निगम आयुक्त कक्ष में विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक मे महापौर गीता अग्रवाल सभापति रवि जैन विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल एवं नेता सत्ता पक्ष मनीष सेन, आयुक्त रजनीश कसेरा, लोक निर्माण समिति अध्यक्ष गणेश पटेल, स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष धर्मेंद्रसिंह बैस, पार्षद बाली घोसी, पार्षद प्रतिनिधि संजय दायमा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ सामान्य बैठक कर चर्चा की।

उल्लेखनिय है कि देवास शहर मे चल रहे विकास कार्यो के साथ अन्य नये विकास कार्य आदर्श आचार संहिता के परिपालन मे स्थगित थे। बैठक मे सडक डामरीकरण, सीसी रोड एवं कायाकल्प योजना अन्तर्गत होने वाले सड़क निर्माण कार्य, पुलिया निर्माण, नाला एवं नाली निर्माण, आचार संहिता समाप्त होने के पश्चात पुनः कार्य आरंभ किये जाना है इस पर विस्तृत चर्चा की।

विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने शहर मे किये जाने वाले विकास कार्यो एवं जिन विकास कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाना है तथा शहर मे सफाई व्यवस्था मे अतिशीघ्र सुधार लाने एवं जनहित की मूलभूत सुविधाओं का संचालन सूचारू रूप से किये जाने के आहूत बैठक मे समीक्षा कर दिशा निर्देश दिये। विधायक ने वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए शहर के साथ ही ग्रामीण वार्डो मे भी जल जमाव की स्थिती उत्पन्न न हो उस पर विशेष फोकस दिये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। जिसमे शहर के बीच से निकलने वाले नालों की सफाई जो चल रही है उसे तीव्रगति से करने के लिए कहा एवं शहर के अन्दर स्थित छोटे नाले एवं नालियों की सफाई निरंतर किये जाने हेतु कहा साथ ही घर घर कचरा संग्रहण वाहन कुछ वार्डो मे प्रतिदिन नही जा रहे है। इस पर भी विधायक ने कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन नही जाने के कारणों की जानकारी ली तथा इस जनहित की समस्या को शीघ्रताशीघ्र हल करने के साथ ही प्रतिदिन कचरा संग्रहण वाहन वार्डो मे जाने की व्यवस्था सुचारू रूप से करने के निर्देश दिये। विधायक को आयुक्त ने जानकारी देते हुये बताया कि शहर मे साफ सफाई के साथ घर घर कचरा संग्रहण वाहनों मे आ रही समस्या का निराकरण के लिए ड्रायवरों, हेल्परों के लिए निविदा आमंत्रित कर ली गई थी, आचार संहिता समाप्त हो गई है शीघ्र ही स्वीकृत निविदादाता से आउट सोर्स के ड्रायवर, हेल्पर, सफाई मित्र कर्मचारियों की व्यवस्था कर समस्या का निदान शीघ्र ही किया जावेगा। समीक्षा बैठक के दौरान महापौर ने शहर के नागरिकों को समान रूप से जल वितरण हो। 45 ही वार्डो मे समान रूप से जल वितरण की व्यवस्था सुधारें तथा जिन क्षेत्रो मे नलों से पानी नही पहुच पा रहा है या कम मिल रहा है इसका भी निराकरण तत्काल करें एवं उन क्षेत्रों मे मेंटनेंस कार्य करवायें तथा व्यवस्था सुधारें। विधायक ने नये कार्यो की पेंडिग निविदाओं को तत्काल आमंत्रित करने हेतु तथा कार्यादेश दिये जाने हेतु कहा। विकास कार्यो पर गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें तथा चल रहे विकास कार्यो पर अपनी उपस्थिती रखें व कार्यो की मानिटरिंग करने के निर्देश देते हुये सामान्य समीक्षा बैठक समाप्त की। इस अवसर पर उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, सहायक यंत्री जगदीश वर्मा, सौरभ त्रिपाठी, तौफीक खान, दिनेश चौहान, स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक बार फिर..धारा 20 के पालन में दंडात्मक कार्यवाही करने की गुहार सूचना आयोग से मजदूर संघ ने लगाई..

नर्मदापुरम। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित नगरपालिका कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि आत्महत्या करने वालों के आश्रितों को वरिष्ठ विभागीय कार्यालय कि अनुशंसा पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। श्री वर्मा ने बताया कि अधिनियम 1823 के पालन में एवं स्वर्गीय कर्मचारी महेश सोनी का आश्रित मानकर भतीजे को चपरासी के पद पर अनुकंपा दी है..? श्री वर्मा ने आगे बताया है कि शपथपत्र व वैध उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र सूचना नियम के तहत बहुत पहले मजदूर संघ के द्वारा प्राप्त किये जा चुके हैं। शपथपत्र जिसमें मृतक कर्मचारी के हस्ताक्षर नहीं है बीमारी के कारण वह हस्ताक्षर करने में असमर्थ है हस्ताक्षर का प्रमाणीकरण नियमानुसार शासकीय डाक्टर से होना चाहिए था लेकिन उस समय जो नोटरी वकील साहब थे उनकी टीप भी हस्ताक्षर को लेकर नहीं लगाई गई है ऐसे शपथपत्र को आधार मानकर जो भतीजा पहले नामिनी था उसके स्थान पर दूसरे भतीजे को नामिनी बनाया गया बताया है। परंतु पहले नामिनी का सहमति पत्र एवं मृतक कर्मचारी कि पत्नी को समस्त देयक राशि का भुगतान पारिवारिक पेंशन या चाची के द्वारा अनुकंपा के लिए दिया गया सहमति शपथपत्र दिये गये है या नहीं यह जानकारी सूचना नियम के पालन में व इन सभी अनुकंपा नियुक्तियों से संबंधित आदेश व मूल नस्ति दस्तावेजों कि मांग कि गई थी जिसे व्यक्तिगत जानकारी बताकर नगरपालिका के द्वारा देने से मना करके सूचना नियम कि अवमानना की है बताया। नगरपालिका में

पदस्थ सहायक राजस्व निरीक्षक कर्मचारी को एवं समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के अनुसार श्री शर्मा को भी सूचना नियम के पालन में आजतक जानकारियां नहीं दी गई, सूचना कि जानकारी नहीं देना नगरपालिका कि आदतन प्रवृत्ति बन गई बताते हुए श्री वर्मा ने कहा इसी अवमानना के कारण प्रथम अपीलीय अधिकारी संभाग संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन सुरेश बेलिया पर सूचना नियम कि धारा 20 के पालन में राज्य सूचना आयोग दंडात्मक कार्यवाही वर्ष 2022 में कर चुका है वर्ष 2016 में पेशी सुनवाई पर मुख्य सूचना आयुक्त के समक्ष प्रभारी सहायक यंत्री रमेश वर्मा, संयुक्त संचालक सुरेश बेलिया मजदूर संघ कि द्वितीय अपील के समय राज्य सूचना आयोग में उपस्थिति पर कर्मचारियों के हित संरक्षण से संबंधित जानकारी न देने कि स्थिति में माफी मांग चुके बताते हैं । समय-समय पर नगरपालिका से अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित नस्ती दस्तावेज, किस सीएमओ के कार्यकाल में पद स्थापना दी गई ऐसी जानकारियां सूचना नियम के पालन में नगरपालिका से मांगी गई है समयावधि समाप्ति के पश्चात अधिनियम कि धारा 18 शिकायत/परिवाद के पालन में मजदूर संघ के द्वारा रजिस्टर्ड शिकायती डाक पत्र प्रेषित कर आयोग को अवगत कराया है व निवेदन किया गया है कि नगरपालिका के द्वारा सूचना नियम कि अवमानना करके जानकारियां देने से वंचित रखा है इन पर धारा 20 के पालन में प्राथमिकता देकर 250/- रूपए प्रति दिन या अधिकतम 25000/- रुपए जुर्माना शास्ति के द्वारा लगाया जावे जो जानकारियां नगरपालिका से सूचना अधिनियम के पालन में नहीं दी गई है उनसे अवगत कराने के लिए धारा 18 के अंतर्गत जो पत्र आयोग को प्रेषित किया गया है वहीं शिकायत/परिवाद पत्र नगरपालिका कि आवक-जावक शाखा में भी दिया है ।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नटनागरा तालाब एवं आसपास परिसर की साफ-सफाई कर गाद निकाला

नपा धार द्वारा जन सहयोग से जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं

धार। जल स्त्रोतों तथा नदी, तालाबों, कुओं, बावडियों, तथा अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' अन्तर्गत 5 जून से 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद् धार द्वारा वार्ड कमांक 13 नटनागरा तालाब एवं आसपास परिसर की साफ-सफाई व गाद निकालने का कार्य किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद् नेहा बोडाने, पार्षद लक्ष्मण पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास डावर, सहायक यंत्री अश्विनी डावर व नगर पालिका के उपयंत्री, कर्मचारीगण उपस्थित थे।

रामगंज रिपटे पर नगर पंचायत परिषद के कर्मचारियों ने किया श्रमदान 16 जून तक चलेगा अभियान

सुबह सवेरे सोहागपुर । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रामगंज वार्ड रिपटे के आसपास नगर पंचायत परिषद के कर्मचारियों श्रमदान किया। जल गंगा संवर्धन अभियान 16 जून तक चलेगा । जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रारंभ रामगंज वार्ड स्थित रिपटे पर सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने नदी से कचरे निकाला । वहीं पलकमती नदी ऊग आई घास कोनिकाल कर श्रमदान किया। वहीं उपमंत्री आर जी चौबे के निर्देशन में पलकमती नदी में जमा हो चुकी सिल्ट को हटावाकर बाहर कराया गया। नगर पंचायत परिषद के कर्मचारियों ने श्रमदान स्थल के आसपास रहने वाले नागरिकों एवं वहां के वाशिंदों को नदी को साफ स्वच्छ रखने एवं कचरा नहीं डालने की अपील की । वहीं वर्षा काल में रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाने के महत्व को समझाया। इस अवसर पर नगर पंचायत परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल ,उपयंत्री राम गोपाल चौबे, स्वास्थ्य शाखा प्रभारी एचएल परते, नरेंद्र धुर्वे,सूर्यनारायण पठारिया, मनीष रघुवंशी अनिल रघुवंशी,हरगोविंद व्यास,रणधीर रघुवंशी राजेश रघुवंशी प्रवेश ठाकुर विनोद कुमार,राजेश मौर्य आदि कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी जी एस राजपूत ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 5 से 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत निर्धारित तिथियां में अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है । आगामी तिथियों में भी नदी में श्रमदान के कार्यक्रम किए जाएंगे । 16 जून को कार्यक्रम के समापन के अवसर पर पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

एक्ट इव फाउंडेशन ने डाइट कालेज की बेटियों को भेंट की सेनेट्री पैड वेंडिंग मशीन

देवास । सामाजिक संस्था एक्ट इव फाउन्डेशन ने अपने सामाजिक सरोकार के तहत आज डाइट कालेज प्राचार्य के अनुरोध पर वहां शिक्षारत बेटियों के लिए सेनेट्री पैड वेंडिंग मशीन भेंट की ।संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा तथा सचिव किशोर असनानी ने बताया कि डाइट कालेज में अध्ययनरत बेटियों को बेहतर हेल्थ तथा हाइजीन को दृष्टिगत रखते हुए संस्था द्वारा आज सेनेट्री पैड वेंडिंग मशीन तथा उपयोग किए गए पैड्स को नष्ट करने के लिए भस्मक भेंट किए गए ।कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा, अल्प संख्यक और पिछड़ा वर्ग विभाग सहायक प्रबंधक सुश्री सपना खरते, उपसंचालक सामाजिक न्याय संगीता

यादव,सीईओ अनुसूचित जाति विकास किरण खराड़े, तथा महिला बाल विकास अधिकारी रेलम बघेल तथा बीईओ अजय सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरंभ में कालेज परिवार व प्राचार्य एच एल खुशाल द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर एक्ट इव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।

संस्था द्वारा अब तक शहर और ग्रामीण स्कूलों की बेटियों को दस मशीनें भेंट की जा चुकी है ।महिला बाल विकास अधिकारी रेलम बघेल ने कहा कि इस संवेदनशील विषय पर बेटियों को चाहिए कि खुलकर बड़ों से बात करें और जेंडर से अलग हटकर सभी संकोच छोड़कर परिवार की महिलाओं और बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य और हाइजीन को ध्यान में रखते हुए पैड के उपयोग को बढ़ावा दें। कार्यक्रम में योगेंद्रसिंह चावड़ा,मुकेश तिवारी भी उपस्थित थे।

दहेज लोभियों ने मेरी बेटी को उतारा मौत के घाट, आरोप लगाते हुए जनसुनवाई में पहुंचे परिजन

देवास। करीब एक माह पूर्व एक महिला ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मायके पक्ष के लोगों का आरोप है कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं कि उसकी हत्या ससुराल वालों ने दहेज को लेकर की है। महिला के परिजन मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे जहां उन्होनें कलेक्टर को आवदेन देकर दहेज लोभियों पर कार्रवाई करने के साथ प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग की है।

गत 18 मई को शोभा पति आशीष सिसोदिया निवासी विजय नगर ने अपने ही घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले को लेकर मायके पक्ष का आरोप है कि उनकी बेटी की मौत नहीं हुई है उसकी हत्या दहेज की मांग को लेकर की गई थी। महिला की मौत की जांच की मांग लेकर मंगलवार को परिजन जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर ऋषव गुप्ता को आवेदन देते हुए आशीष सिसोदिया, सास शोभा सिसोदिया, ससुर सुमेर सिसोदिया के विरुद्ध प्रकरण में जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग कि है।

पिता ने दामाद पर लगाया आरोप

सिविल लाइन थाना अंतर्गत विजय नगर क्षेत्र में 18 मई को शोभा उम्र 25 वर्ष घर पर मृत अवस्था में मिली थी। सूचना के बाद मौके पर एफएसएल टीम व पुलिस भी पहुंची थी। मृतिका के पिता ने रुपसिंह चौहान ने कलेक्टर को आवेदन देते हुए बताया कि उनकी बेटी का विवाह आशीष सिसोदिया निवासी विजय नगर देवास से करीब 7 वर्ष पूर्व हुआ था। उसका 4 वर्ष का एक बेटा जियान भी है। उन्होनें बताया कि उनकी बेटी शोभा की हत्या हुई है वह आत्महत्या नहीं कर सकती थी। उन्होनें बताया कि उनका दामाद दुबई में रहता है। बेटी और दामाद के बीच आए दिन विवाद होता रहता था। हमें पड़ोसियों ने सूचना मिली थी कि आपकी बेटी ने फांसी लगा ली है। हमें नहीं पता था कि इतनी बड़ी घटना हो जाएगी।

हम उसे न्याय दिलाना चाहते है

मृतिका की बहन अंजू चौहान ने बताया कि छोटी बहन शोभा सिसोदिया के मौत में निष्पक्ष जांच चाहते हैं। हम उसे न्याय दिलाना चाहते हैं। उसकी बहन को उसके पति आशीष पिता सुमेरसिंह ने मारा है और अन्य भी कई बातें हैं, जिनके निराकरण के लिए हम कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। मामले को लेकर कलेक्टर ने हमें आश्वासन दिया है।

धोखाधड़ी से पीड़ित भटनागर ने पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार, प्रेस वार्ता कर धोखाधड़ी की दी जानकारी

देवास। जिले के हाटपिपल्या थाना अंतर्गत नेवरी चौकी पर पिछले दिनों दर्ज हुए धोखाधड़ी के प्रकरण में फरियादी राजकुमार भटनागर ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगाई।

इसके बाद प्रेस वार्ता के माध्यम से अपनी व्यथा बताई। भटनागर के कहा कि हाटपिपल्या तहसील के ग्राम नेवरी निवासी प्रदीप पिता नारायण रावल, अशोक पिता नारायण रावल व राजेश गुप्ता नामक एक अन्य आरोपी ने उनके साथ 1 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की थी जिस संबंध में इन सभी के खिलाफ भादवि की धारा 420, 467, 468, 471, 452, 506, 409 व 34 जैसी बेहद गंभीर धाराओं के तहत पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था। काफी समय से मैं तथा मेरा परिवार दहशत में अपना जीवन यापन कर रहे हैं।

भटनागर ने कहा कि यह धोखाधड़ी उनसे आरोपियों ने पेट्रोल पंप के माध्यम से की। इस दौरान आरोपियों ने एक प्लाट का सौदा भी किया जिसकी रजिस्ट्री भी आरोपियों ने करवाई लेकिन जब भी मैं उस प्लाट पर जाता तो मुझे धमकाकर भगा दिया जाता था।

इस तरह की धोखाधड़ी इन आरोपियों ने और भी कई लोगों के साथ की है। इस धोखाधड़ी के सरगना फरार हैं, उन्हें राजनीतिक संरक्षण होने और फरार होने के कारण हमारे परिवार की जानमाल खतरे में है। भविष्य में हमारे परिवार को कुछ भी होता है तो इस मामले में समस्त जवाबदारी आरोपियों की होगी।

आज से महापौर जनसुनवाई पुनः प्रारंभ

देवास। लोकसभा निर्वाचन 2024 आदर्श आचार संहिता समाप्त होने पर नगर निगम मे पुन महापौर जनसुनवाई प्रारंभ होगी। इस संबंध मे महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने बताया कि निर्वाचन की आदर्श आचार संहिता के परिपालन मे जनसुनवाई स्थगित थी।

आचार संहित समाप्त होने पर पुन पूर्व निर्धारित वार एवं समय पर पुन महापौर जनसुनवाई प्रारंभ की जा रही है। महापौर जनसुनवाई प्रति बुधवार निगम बैठक हाल मे दोपहर 12 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जावेगी।

राइट क्लिक

शिवराज : खेती को आर्थिक के साथ सियासी लाभ का धंधा बनाने की चुनौती

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

मो दी 3.0 मंत्रिमंडल को लेकर पूरे देश और खासकर मप्र की निगाहें इस बात पर लगी थीं कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में लिया जाता है या नहीं और लिया जाता है तो मंत्रिमंडल में उनकी हैसियत क्या होगी, उन्हें कौन सा विभाग मिलेगा। ज्यादातर प्रेक्षकों का अंदाज था कि शिवराज को वो कृषि मंत्रालय मिलना चाहिए, जिसका शिवराज को काफी हद तक विशेषज्ञ और परफार्मर माना जाता है। वही हुआ भी, पीएम मोदी ने शिवराजसिंह चौहान को तीन लाख करोड़ रू. से भी ज्यादा बजट वाले कृषि मंत्रालय का जिम्मा सौंपा। साथ में ग्रामीण विकास विभाग भी दिया। लेकिन शिवराज के लिए कृषि का मामला केवल बजट के हिसाब से ही बड़ा नहीं है बल्कि यह आज की तारीख में सबसे ज्यादा चुनौती भरा विभाग है, जिसमें किसानों की समस्याएं सुलझाने के साथ- साथ पार्टी के राजनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। यानी खेती सिर्फ आर्थिक लाभ का ही धंधा न होकर भाजपा के लिए राजनीतिक लाभ का धंधा कैसे बने, यह सवाल है। विशेषकर देश के तीन राज्यों पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा आंशिक रूप से राजस्थान भी शामिल हैं, में पूर्व में वापस हुए तीन कृषि कानूनों और किसानों के संदर्भ में मोदी सरकार की अब तक की नीतियों को लेकर गहरा असंतोष रहा है। इसी का नतीजा था कि लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में किसानों ने भाजपा को तगड़ा झटका दे दिया। क्योंकि किसानों के मामले में सरकार की 'एकला चलो' की नीति फेल हो चुकी है। किसानों की मांगों और दिक्कतों को समझकर तदनुसार कोई सर्वमान्य हल ढूंढना और वो भी क्रेडिट अपने खाते में लिखवाए बगैर करना, शिवराजजी के समक्ष बड़ी चुनौती है। किसान आंदोलन को डील करने के मामले में उनके पूर्ववर्ती कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। सरकार और किसानों के बीच अपेक्षित संवाद की कमी भी इसका एक कारण थी। तीनों कृषि कानून, जिन्हें मोदीजी को वापस लेना पड़ा, लाने से पहले उन पर व्यापक बहस कराना और जनमत जानना जरूरी नहीं समझा गया था। क्या इस रवैए में अब कोई बदलाव दिखेगा या नहीं, यह देखने की बात है। यह सवाल इसलिए भी है, क्योंकि शिवराज के पास पब्लिक कनेक्ट की कला है। वो अगर चाहें और उन्हें वैसा करने की आजादी मिले तो वो किसानों की नाराजी का वो कोई बहुमान्य हल ढूंढ सकते हैं।

- शिवराज और उनके पूर्ववर्ती केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर में एक बुनियादी अंतर यह है कि तोमर मूलतः शहरी पृष्ठभूमि से आते हैं, जबकि शिवराज पूरी तरह किसानी और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। लिहाजा किसानों की दिक्कतों और अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। मप्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद ही उन्होंने घोषणा कर दी थी कि उनकी पहली प्राथमिकता खेती को लाभ का धंधा बनाने की है। इस दिशा में उन्होंने अपने शुरू के तीनों कार्यकालों में काफी काम किया। प्रदेश की कृषि जीडीपी 2005-06 से 2022-23 तक औसतन प्रति 7 प्रतिशत बढ़ी, जो दशक के लिए राष्ट्रीय औसत 3.8 प्रतिशत से अधिक रही। शिवराज के मुख्यमंत्री रहते एमपी को कृषि उत्पादन तथा योजना संचालन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड मिले। यही नहीं मप्र सिंचाई क्षमता भी 6 गुना बढ़कर 43 लाख हेक्टेयर हो गई। किसानों की फसल के समर्थन मूल्य पर खरीदी पर बोनस की योजना शुरू हुई। इस योजना का फायदा प्रदेश के 80 प्रतिशत से ज्यादा किसानों को मिला। किसानों का आपदा के समय बेहतर मुआवजा मिला। उन्हीं के नेतृत्व में प्रदेश को सात बार कृषि कर्मण अवॉर्ड मिले हैं। इसी के साथ प्रदेश नई समस्या से भी जूझ रहा है, वो है कृषि उत्पादन में भारी बढ़ोतरी के अनुपात में अनाज भंडारण की अपर्याप्त व्यवस्था और स्थानीय उपज के लिए समुचित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की कमी। शिवराज इन समस्याओं से भली-भांति वाकिफ हैं। उम्मीद है कि वो मप्र की इन दिक्कतों को भी हल करेंगे। यही कारण था कि दिल्ली में लंबे चले किसान आंदोलन में मप्र के किसानों की भागीदारी नहीं के बराबर थी। अलबत्ता शिवराज के कार्यकाल पर काले टीके के रूप में मंदसौर में एमएसपी को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों पर पुलिस की गोली से चार किसानों की मौत जरूर दर्ज है।

मोदी सरकार 2020 में अपने दूसरे कार्यकाल में तीन कृषि कानून लेकर आई थी। संसद में इस बिल के पास होते ही उत्तरी राज्यों के किसान सड़कों पर उतर आए। इस असंतोष को हवा देने में कुछ राजनीतिक दलों और स्वयंसेवी संगठनों की भी बड़ी भूमिका थी। बावजूद इसके यह भी सच था कि किसानों की आशंकाओं का कोई ठोस और संतोषजनक जवाब सरकार इस बिल को लाते समय नहीं दे पाई थी। मोदी सरकार द्वारा जो तीन कृषि कानून लाए गए थे, उनमें

पहला था- आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून

इस कानून में अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का प्रावधान किया गया था ताकि बाजार में प्रतिस्पर्द्धा बढ़े। किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिले।

दूसरा था- कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) कानून: इसके तहत किसान कृषि मंडी के बाहर भी अपनी उपज बेच सकते थे। इसके लिए किसानों व खरीदारों को कोई शुल्क नहीं देना था।

तीसरा था- कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानून: इस कानून का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी फसल की निश्चित कीमत दिलवाना था। इसके तहत कोई किसान फसल उगाने से पहले ही किसी व्यापारी से समझौता कर सकता था। किसान को फसल की डिलिवरी के समय ही दो तिहाई राशि का भुगतान किया जाता और बाकी पैसा 30 दिन में देना होता। अगर एक पक्ष समझौते को तोड़ता तो उस पर जुर्माना लगाया जाता। लेकिन इन कानूनों के प्रावधानों से तीनो राज्यों के किसान खुश नहीं थे। वो चाहते थे कि सरकार उनकी सारी उपज एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर ही खरीदे। यह एमएसपी भी स्वामीनाथन (जिन्हें सरकार ने इस साल भारत रत्न दिया) आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक हो तथा सरकार एमएसपी की केवल घोषणा ही नहीं करे बल्कि इसकी कानूनी गारंटी भी दे। वर्तमान में भारत सरकार कुल 23 फसलों पर एमएसपी देती है। किसान आंदोलन के दौरान बताया जाता है कि सरकार चुनिंदा फसलों पर एमएसपी की गारंटी देने को तैयार भी हो गई थी, लेकिन आंदोलनकारी किसान इस पर सहमत नहीं थे। दूसरी आशंका कारपोरेट फार्मिंग को मंजूरी मिलने पर किसान हितों की रक्षा की कमजोर व्यवस्था थी। डर था कि फसल खराब होने पर किसान अपनी जमीन भी कारपोरेट के हाथों गंवा सकता है। इन्हीं के चलते दिल्ली की सीमा पर लगभग साल भर तक किसान आंदोलन चला, जो अंततः पीएम मोदी द्वारा इन कानूनों की वापसी के बाद कमजोर पड़ा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कृषि सुधार कानून लाने के पीछे मकसद सही था, लेकिन तरीका गलत था। कृषि कानून वापसी के दांव का फायदा बीजेपी को 2022 में यूपी के विधानसभा चुनाव में मिला। लेकिन किसानों की मांगों का कोई हल नहीं हुआ। सरकार सभी फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी देने को तैयार नहीं है। उसका मानना है कि ऐसा किया गया तो सरकार पर सभी फसले खरीदने पर असहनीय आर्थिक बोझ बढ़ेगा। दूसरे, कच्चा माल महंगा होने पर सभी खाद्य वस्तुएं भी महंगी होंगी, जिससे आम उपभोक्ता खासकर मध्यम व निम्न वर्ग की नाराजी का सामना सरकार को करना पड़ेगा। न सिर्फ मध्यम व निम्न वर्ग खुद किसान को भी परेशानी हो सकती है, क्योंकि वह कतिपय फसलों का उत्पादक भले हो, लेकिन बाकी चीजों का तो उपभोक्ता ही है। खेती के मामले में अब एक और नई बड़ी चुनौती बार- बार बदलते मौसम की भी है। मौसम के बदले मिजाज से अच्छी भली फसल पर ऐन वक्त पर पानी फिर जाता है और किसान के सामने माथा पकड़ने के अलावा कुछ नहीं रह जाता। खराब या दागी फसल ठीक से बिक भी नहीं पातीं।

अब नए देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह के सामने बड़ी चुनौती नाराज किसानों के सामने कोई सर्वमान्य हल पेश करने की होगी। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश ऐसे इलाके हैं, जहां फसलों की एमएसपी पर सर्वाधिक खरीदी होती है। वहां के किसानों को विश्वास में कैसे लिया जाएगा, यह देखने की बात है। छोटी जोतों के बाद भी खेती लाभ का धंधा कैसे बने, खरीदी गई उपज का समुचित भंडारण और प्रोसेसिंग कैसे हो, खेती रामभरोसे न रहे, उसका आधुनिकीकरण कैसे हो, कृषि क्षेत्र में सुधारों की बात हर हलके से उठ रही है, लेकिन ये सुधार किस रूप में हों, कैसे हो, इस पर मतभेद हैं। प्रामाणिक बीज, पर्याप्त सिंचाई, उत्पादित फसल की सही मार्केटिंग व भंडारण की सुविधा तथा कारपोरेट फार्मिंग में किसानों के अधिकार कैसे सुरक्षित रहें, यह भी बड़ा मुद्दा है। खेती में घाटे से निराश और कर्ज में डूबे किसानों की आत्महत्या, जीडीपी में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाना व खेती में रोजगार बढ़ाने की संभावना तलाश करना भी बड़ा मुद्दा है। शिवराज इन सबमें तालमेल कैसे बिठा पाएंगे, यह देखना होगा। अगर कामयाब रहे तो उनकी राजनीतिक उपलब्धियों का एक नया युग शुरू हो सकता है। किसान असंतोष का समाप्त होना भाजपा की राजनीतिक मजबूती का परिचायक भी होगा। वरना अभी तो नाराज किसान उन पार्टियों को वोट दे रहे हैं, जो एमएसपी की कानूनी गारंटी के वादे कर रही हैं।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस की सुचारू सेवाओं के लिए तंत्र को सुदृढ़ कर आमजन को करें जागरूक : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

आपातकाल में जीवन के संरक्षण में सेवा कारगर सिद्ध होगी

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' आपातकाल में नागरिकों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल है। आपात स्थिति में समय से उचित चिकित्सकीय सेवा की उपलब्धता से कई ज़िंदगियों का संरक्षण किया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में आयोजित बैठक में विभागीय अधिकारियों को पीएम श्री एम्बुलेंस सेवा के संचालन तंत्र को सुदृढ़ करने और आमजन को सेवा की उपलब्धता के संबंध में जागरूक करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव श्री विवेक पोरवाल और एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा प्रदेश में कहीं भी चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न होने या चिन्हित विशेष प्रकार की चिकित्सा सुविधा या चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता निर्मित होने पर कठिन भौगोलिक परिस्थिति में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक पहुंचकर उन्नत आपातकालीन चिकित्सा द्वारा मरीजों की स्थिति को स्थिर कर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफ्ट करेगी।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा सड़कों एवं औद्योगिक स्थलों में होने वाले हादसों, प्राकृतिक आपदा में गंभीर पीड़ित/घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार के लिये हवाई

परिवहन सुविधा उपलब्ध करायेगी। हृदय सम्बंधित अथवा अन्य विभिन्न गंभीर बीमारियाँ जिसमें रोगी/पीड़ित को तत्काल इलाज की आवश्यकता होने की स्थिति में मरीजों को अच्छे एवं उच्चतम चिकित्सा संस्थानों में त्वरित उपचार के लिये हवाई परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

एयर एम्बुलेंस सेवा के संचालन के लिए 01 'हेली एम्बुलेंस' एवं 01 'फिक्स्ड विंग कनवर्टेड फ्लाइंग एम्बुलेंस' का शुभारंभ किया गया है, जो कि प्रदेश के सभी जिलों एवं प्रशासनिक विभागों के नागरिकों की सेवा में तैनात रहेंगी। एयर एम्बुलेंस में उच्च स्तरीय प्रशिक्षित चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टाफ की टीम हमेशा तैनात रहेगी। चिकित्सकीय आवश्यकता अनुसार प्रदेश के रोगियों को दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद अथवा देश के अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों पर हवाई परिवहन करेगी।

पात्रता- सड़क एवं औद्योगिक दुर्घटना अथवा प्राकृतिक आपदा में पीड़ित को राज्य के अंदर एवं बाहर शासकीय अथवा निजी चिकित्सालय में निशुल्क परिवहन किया जाएगा। आयुष्मान कार्डधारी के उपचार के लिये राज्य के अंदर एवं राज्य के बाहर सभी शासकीय एवं आयुष्मान सम्बद्ध अस्पतालों में उपचार हेतु निःशुल्क परिवहन किया जाएगा। अन्य हितग्राही जो कि आयुष्मान कार्डधारी नहीं हैं, उनके उपचार के लिए राज्य के अंदर स्थित शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क परिवहन जबकि राज्य के बाहर के किसी भी अस्पताल में अनुबंधित दर पर सशुल्क परिवहन किया जाएगा। रोगी/पीड़ित का एयर एम्बुलेंस से परिवहन इमरजेंसी हेल्थ कंडीशन (80 प्रकार) की स्थिति में किया जाएगा। एयर एम्बुलेंस सेवा अनुशंसित चिकित्सालय तक ले जाने के लिए होगी। 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस' सेवा अंतर्गत हवाई परिवहन के दौरान सेवाप्रदाता द्वारा रोगी/पीड़ित के लिए 50 लाख का दुर्घटना बीमा का प्रावधान तथा थर्ड पार्टी के लिए 25 लाख का दुर्घटना बीमा और थर्ड पार्टी डैमेज के लिए 25 लाख का दुर्घटना बीमा प्रावधानित है। सशुल्क सेवा की स्थिति में सेवाप्रदाता एजेंसी को हेलीकाप्टर के लिये प्रति घंटे (फ्लाइंग ऑवर) के मान से रूपए 1,94,500 एवं फिक्स्ड विंग कनवर्टेड फ्लाइंग एम्बुलेंस के लिये प्रति घंटे (फ्लाइंग ऑवर) के मान से रूपए 1,78,900 का भुगतान करना होगा।

180 दिन की उपलब्धियों को लेकर सीएम ने की बैठक, कहा-

जनहितैषी गतिविधियों को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता

विभागीय अधिकारी लगातार फील्ड के दौरे करें

एक-एक गांव को गोद लेंगे हर सरकारी कॉलेज और मंत्री, अब उज्जैन में ठोस पत्थर की प्रतिमाएं लगेंगी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री और अफसरों के साथ राज्य सरकार की 6 माह की विभागीय उपलब्धियों के संबंध में बैठक ली, और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।साथ ही पीएम श्री पर्यटन वायुसेवा फ्लाइट बुकिंग वेबसाइट का वर्चुअली शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा- प्रदेश के 2 हजार सरकारी कॉलेज अपने क्षेत्र में एक गांव को गोद लेंगे। मंत्रियों को भी एक गांव गोद लेने के लिए कहा जाएगा। जहां इनकी जिम्मेदारी होगी कि गांव का सर्वांगीण विकास कराएं। मंत्रियों को 15 अगस्त के पहले प्रभार के जिले आवंटित कर दिए जाएंगे।

महाकाल लोक में ठोस पत्थर की लगेंगी प्रतिमाएं- मुख्यमंत्री ने कहा है कि उज्जैन में महाकाल महालोक में अब जो भी प्रतिमाएं ठोस पत्थर की स्थापित होंगी, और इनका निर्माण भी प्रदेश में ही स्थानीय कलाकारों के माध्यम से कराया जाएगा। 6 माह के कार्यकाल की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि प्रतिमा निर्माण को लेकर फैसला किया है कि अब प्रतिमाएं ठोस पत्थर की बनाई जाएंगी। किसी से ऑर्डर पर नहीं मंगाई जाएंगी। ये प्रतिमाएं प्रदेश के कलाकारों के सहयोग से बनाई जाएंगी। प्रदेश में प्रतिमा निर्माण की दिशा में भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि महाकाल महालोक में प्रतिमाओं को लेकर सवाल उठे थे। इसलिए अब यह फैसला लिया गया है। इसके लिए पत्थर देने का काम सरकार करेगी। प्रदेश को इसके लिए सक्षम बनाने का काम किया जाएगा।

कम से कम पेड़ कटेंगे, जरूरत हुई तो शिफ्ट करेंगे- भोपाल में मंत्रियों बंगलों के लिए पेड़ काटने को लेकर कहा कि हर पेड़ को सुरक्षित रखने का काम किया जाएगा। ऐसा निर्माण करेंगे कि कम से कम पेड़ कटेंगे। किसी पेड़ की अकाल मृत्यु नहीं होने दी जाएगी। जरूरत होने पर पेड़ों की शिफ्टिंग कराई जाएगी।

अगस्त से पहले मंत्रियों को मिलेंगे जिलों के प्रभार- प्रदेश में अब तक मंत्रियों को जिलों का प्रभार दिए जाने के

सवाल पर सीएम यादव ने कहा कि 15 अगस्त से पहले मंत्रियों को प्रभार के जिले बांट दिए जाएंगे। मंत्री स्वतंत्रता दिवस पर प्रभार वाले जिलों में झंडा फहराएंगे।

यह भी अहम फैसले किए- पार्वती कालीसिंध चंबल योजना 20 साल से अटकी थी। सोमवार को ही जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में राजस्थान के सीएम के साथ बैठक की है। 1956 में बने गांधी सागर डैम के पानी की अधिक मात्रा की मांग की है। इसके लिए कहा है कि हमारी जमीन ज्यादा जा रही है और पानी कम मिलता है। इसकी मंजूरी मिली तो छह जिलों में लिफ्ट एरीगेशन के माध्यम से और पानी मिल सकेगा।

प्रदेश सरकार की ये हैं उपलब्धियां

- प्रदेश के सभी कॉलेजों के प्रबंधन से कहा है कि सभी महाविद्यालय अपनी बस चलाएं।
- प्रदेश में दो हजार कॉलेज हैं और एक कॉलेज को एक गांव गोद लेने के लिए कहा गया है। मंत्रियों से भी गांव गोद लेने के लिए कहेंगे।
- जीएसटी का राजस्व 19051 करोड़ रुपए मिला है जो पिछले वर्ष से 26 प्रतिशत ज्यादा है।
- किसानों से गेहूं खरीदने के लिए तीन माह से अधिक का समय किसानों को दिया गया।
- सभी योजनाओं को सरकार समान रूप से चालू रखेगी। लाड़ली बहना योजना में 9455 करोड़ रुपए की राशि का वितरण किया है।
- 72880 बालिकाओं के खाते में लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 34 करोड़ रुपए दिए गए हैं।
- 45.90 लाख लाड़ली बहनों के खाते में रसोई गैस योजना के अंतर्गत 118 करोड़ रुपए दिए हैं।
- 55 एक्सीलेंस कालेज प्रदेश में इसी सत्र से खोले जा रहे हैं।
- 90 हजार विद्यार्थियों को 75 प्रतिशत से अधिक अंक बारहवीं में लाने पर लैपटॉप दिए जाएंगे।
- खनिज के सबसे अधिक ब्लाक एमपी में हैं। नीलामी में एमपी ने देश में विशेष स्थान बनाया है।
- जिलों में पुलिस बैंड खत्म हो गए थे। इसे अभियान चलाकर चालू कराया है। 1300 कलासाधकों ने वंदे मातरम के गीत गाकर रिकार्ड बनाया है।
- कोई भी योजना बंद नहीं होगी, हमारी सरकार सभी योजनाओं को समान रूप से चालू रखेगी।
- केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए 12 हजार और 5 हजार करोड़ के अलग-अलग टेंडर जारी कर दिए गए हैं।

शिवराज और सिंधिया, डॉ. मुरुगन ने संभाला मंत्रालय में कार्यभार

केंद्रीय मंत्री चौहान बोले-किसानों के सपने पूरे करूंगा

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अपने-अपने मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। शिवराज ने सुबह कृषि मंत्रालय जबकि शाम को ग्रामीण विकास मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया। सिंधिया ने आज संचार विभाग का कार्यभार ग्रहण किया। वे आज बुधवार को पूर्वोत्तर विकास विभाग का पदभार संभालेंगे।

तमिलनाडु के डॉ. एल मुरुगन मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं, उन्हें भी केंद्र सरकार में दूसरी बार मौका मिला है। उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्यमंत्री का कार्यभार संभाला है।

डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक को फिर से सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री बनाया गया है। उन्होंने मंगलवार को दिल्ली के शास्त्री भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में कार्यभार संभाला। इनके अलावा मोदी 3.0 कैबिनेट में शामिल दुर्गादास उईके को जनजातीय कार्य विभाग में राज्यमंत्री बनाया गया है जबकि सावित्री ठाकुर महिला बाल विकास विभाग में राज्यमंत्री बनाई गई हैं।

अधिकारियों से बोले- कृषि मंत्रालय को समझे बिना दिल्ली नहीं छोड़ूंगा- शिवराज ने कृषि मंत्रालय का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान मंत्रालय के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों से मुलाकात की। कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, मिनिस्ट्री ऑफ एग्रीकल्चर की विजिट कर जानकारी ली। कमांड सेंटर में देश के विभिन्न राज्यों में फसल, क्रॉप वेदर, वर्षा या ड्रॉट एरिया की जानकारी सहित विभिन्न जानकारी ली। उन्होंने अफसरों से कहा, मैं आपका सर्वश्रेष्ठ चाहता हूं, मैं सब चीजें समझे बिना दिल्ली नहीं छोड़ूंगा। भले ही प्रेजेंटेशन दो घंटे नहीं, चार-छह घंटे चले लेकिन मुझे पूरी जानकारी चाहिए। मैं आज देर शाम तक मंत्रालय में ही बैठकें करूंगा।

शिवराज ने मंत्रालय के अधिकारियों को भाजपा का संकल्प पत्र सौंपते हुए कहा- मैं ये अंतरात्मा से कह रहा हूं कि काम मेरे लिए पूजा है। दिन-रात मिलकर काम करेंगे। आज मैं मोदी जी की गारंटी का संकल्प पत्र आपको सौंप रहा हूं। इसे हर हाल में हमें पूरा करना है। एक-एक क्षण का उपयोग करना है। भारत कृषि क्षेत्र में अद्भुत काम कर रहा है, इसे और बेहतर करना है। हमारे विभाग का नाम कृषि के साथ किसान कल्याण है। मतलब अन्नदाता का कल्याण, उनकी जिंदगी बदलना ही हमारा मिशन है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदभार संभाला। इसके बाद मंत्रालय का निरीक्षण कर अफसरों से बातचीत भी की।

शिवराज ने पीएम को कहा- धन्यवाद- शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कृषि मंत्रालय की जिम्मेदारी दिए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा- हमारी सरकार देशभर के किसान भाई-बहनों के कल्याण से जुड़े प्रत्येक संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं अपने पूरे सामर्थ्य से किसानों के हर सपने को पूरा करने के लिए परिश्रम करूंगा। देश का प्रत्येक किसान परिवार खुशहाल हो और हर गांव तक विकास की पहुंच सुनिश्चित हो, यही मेरा प्रयत्न रहेगा।कैबिनेट मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदभार संभालने के लिए कृषि मंत्रालय जाने से पहले पौधरोपण किया।

चार दिन दिल्ली में ही रहेंगे शिवराज- केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान अगले चार दिन तक दिल्ली में ही रहेंगे। शिवराज कृषि मंत्रालय और ग्रामीण विकास विभाग का पदभार ग्रहण करने के बाद अफसरों के साथ केंद्र सरकार के ऑनगोइंग प्रोजेक्ट्स और स्कीम्स के बारे में जानकारी लेंगे।